RNI. NO. RAJHIN/2021/82156 डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/23-25

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -05 | अंक -227 | मूल्यः 2.00 रू. | अलवर, शुक्रवार 31 अक्टूबर, 2025 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 8

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

पीएम मोदी और राहुल गांधी आमने-सामने, छिड़ी सियासी जंग, जनता के मुद्दों पर गरमाया माहौल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का चुनावी रण अब अपने चरम पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच तीखी बयानबाजी ने सियासी माहौल को और गरमा दिया है। बिहार के 7.43 करोड़ मतदाता 6 और 11 नवंबर को मतदान कर एनडीए और महागठबंधन की किस्मत तय करेंगे।

छपरा और मुजफ्फरपुर में पीएम मोदी के हमले

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छपरा में रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर बिहार के लोगों का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने 2022 में कहा था कि यूपी-बिहार के भइयों को पंजाब में नहीं आने देंगे और उस वक्त प्रियंका गांधी मंच पर मुस्कुरा रही थीं। मोदी ने कहा कांग्रेस और उनके सहयोगी दल बिहार का अपमान करते हैं और फिर यहां वोट मांगने आते हैं। यह बिहार के स्वाभिमान के खिलाफ साजिश है। मुजफ्फरपुर में मोदी ने आरजेडी-कांग्रेस के शासन को कट्टा, क्रूरता, कटुता, कुशासन और करप्शन जैसे पांच शब्दों में परिभाषित किया। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास में एनडीए सरकार ने वह काम किया है जो पहले किसी ने नहीं किया। राहुल गांधी ने शेखपुरा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने बिहार के युवाओं को रोजगार देने में नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि बिहार के मेहनती युवाओं को रोजगार के लिए अन्य राज्यों में पलायन करना पड़ता है। गांधी ने सवाल किया जब बिहार के लोगों ने दुबई जैसा शहर खड़ा किया, तो बिहार में ही रोजगार क्यों नहीं मिल रहा? इलाज के लिए दिल्ली के एम्स क्यों जाना पड़ता है? बिहार को फिर से शिक्षा और उद्योग का केंद्र बनना चाहिए। नालंदा में राहुल गांधी ने पीएम मोदी की विदेश नीति पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने अमेरिका से डरे बिना 1971 में युद्ध जीता, लेकिन नरेंद्र मोदी में वह हिम्मत नहीं है कि वे अमेरिका के राष्ट्रपति को झूठा कह सकें।

शाह और नड्डा ने साधा विपक्ष पर निशाना

गृहमंत्री अमित शाह ने लखीसराय में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर "चार आने का भी भ्रष्टाचार" का आरोप नहीं लगा, जबकि आरजेडी-कांग्रेस का शासन घोटालों और 'जंगलराज' से भरा रहा है। बीजेपी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने कहा कि बिहार अब बुरे दिन से निकलकर अच्छे दिन की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा 2005 से पहले बिहार अंधेरे में था, अब विकास के रास्ते पर है। प्रधानमंत्री मोदी और नीतीश कुमार की जोड़ी ने बिहार को बिमारू राज्य से उभरते भारत के केंद्र में ला दिया है।

दो चरणों में होगा मतदान, 14 नवंबर को नतीजे

बिहार की 243 विधानसभा सीटों पर दो चरणों में मतदान होगा- पहला चरण 6 नवंबर और दूसरा चरण 11 नवंबर को। नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। एनडीए में भाजपा, जेडीयू, एलजेपी (रामविलास), हम (सेक्युलर) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा शामिल हैं। वहीं, महागठबंधन में आरजेडी, कांग्रेस, सीपीआई-एमएल, सीपीआई, सीपीएम और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) शामिल हैं।

गृह मंत्री अमित शाह बोले- कांग्रेस की वजह से सरदार पटेल को भारत रत्न मिलने में 41 साल देरी हुई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा पटना

गृह मंत्री अमित शाह ने भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में पटना में प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि 31 अक्तूबर को लौह पुरुष सरदार पटेल की 150वीं जयंती है। सरदार पटेल के कारण ही आज भारत एक हो पाया। आज के भारत के निर्माण में उनका बहुत बड़ा योगदान है। सरदार पटेल की जयंती पर 2014 से हर साल पीएम मोदी 31 अक्तूबर को केवरिया कॉलोनी जाते हैं। सरदार पटेल की प्रतिमा के सामने भव्य परेड होता है। अब गृह मंत्रालय ने तय किया है कि हर साल 31 अक्तूबर को भव्य परेड का आयोजन होगा। यह परेड देश की एकता और अखंडता को सुनिश्चित करने के लिए है। यह परेड सभी राज्यों की पुलिस बल और केंद्रीय पैरा मिलिट्री फोर्स के सम्मान में है। उनकी प्रतिमा के सामने यह परेड आयोजित होगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 26 जनवरी की तर्ज पर अब हर 31 अक्तूबर को परेड का आयोजन किया जाएगा। यह परेड एकता और अखंडता का संदेश देगा। इस बार देश के सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश, जिला, पुलिस स्टेशन, स्कूल, कॉलेज में रन फॉर यूनिटी का आयोजिन हुआ। इस बार 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारत पर्व का आयोजन एकता नगर में है। यह एक नवंबर से 15 नवंबर तक चलेगा। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती (15 नवंबर) तक यह चलेगा। 15 नवंबर को भव्य कार्यक्रम के साथ इसका समापन होगा। इसमें देश भर की जनजातियों के लोग शामिल होंगे। हम सभी जानते हैं कि सरदार पटेल देश के लिए एक व्यक्ति नहीं विचारधारा हैं।

सड़क एवं भवन निर्माण में गुणवत्ता पर कोई समझौता नहीं, प्रदेशभर में चलेगा सघन निरीक्षण अभियानः भजनलाल शर्मा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

सांगानेर क्षेत्र जयपुर शहर के अहम हिस्सों में से एक है तथा यह शहर के विस्तार का केंद्र भी बन रहा है। इसलिए पूरे शहर के लिए सुगम यातायात प्रबंधन की दिशा में सांगानेर क्षेत्र में विशेष कार्ययोजना के साथ सुविधाएं विकसित की जाएं ताकि यह स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक मॉडल के रूप में उभर सकें। शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सांगानेर क्षेत्र के सर्किल निर्माण एवं सौन्दर्यकरण कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपसी समन्वय से कार्य करते हुए विकास कार्यों में तेजी लाएं एवं इन कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन्दे मातरम् रोड़ पर स्थित सर्किलों के सौन्दर्यकरण के कार्य स्वतंत्रता, संविधान एवं विकसित भारत की थीम के आधार पर किए जाएं ताकि इससे आमजन में जागरूकता एवं गर्व की भावना विकसित हो सके। उन्होंने न्यू सांगानेर रोड़ सहित अन्य मार्गों के चौराहों पर भी सौन्दर्यकरण तथा पौधारोपण के कार्य करवाने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में भवन एवं सड़क निर्माण मरम्मत कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सघन निरीक्षण अभियान संचालित करने जा रही है। इस अभियान के अन्तर्गत निर्माण से संबंधित कार्यों की मॉनिटरिंग के लिए निरीक्षण समितियों का गठन करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सड़क एवं अन्य निर्माण कार्यों में गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा लापरवाही बरतने वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय, वित्त विभाग एवं जयपुर विकास प्राधिकरण सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत ने तोड़ा ऑस्ट्रेलिया का तिलिस्म, महिला विश्व कप के फाइनल में बनाई जगह

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने विश्व कप 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी के मैदान पर भारत ने डिफेडिंग चैंपियंस ऑस्ट्रेलिया को हराकर बाहर कर दिया। पहले खेलते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 338 रन बनाए थे। जवाब में जेमिमा रोड्रिग्स की शतकीय पारी से भारत ने असंभव दिख रहे लक्ष्य को 49 ओवर में हासिल कर लिया। टीम इंडिया को मैच में 5 विकेट से जीत मिली। यह महिला वनडे क्रिकेट का सबसे बड़ा रनचेज है। इसके साथ ही यह विश्व कप इतिहास के नॉकआउट में सबसे बड़ा रन चेज है। अभी तक पुरुषों के विश्व कप में भी ऐसा नहीं हुआ था। 2 नवंबर को विश्व कप के फाइनल में भारतीय टीम का सामना साउथ अफ्रीका से होगा। अभी तक दोनों ही टीमों ने विश्व कप का खिताब नहीं जीता है। भारत के लिए जेमिमा रोड्रिग्स ने शतक लगाया। वह अंत तक नाबाद रही और टीम को फाइनल में पहुंचा दिया। उन्होंने 127 रनों की पारी खेली। उन्होंने 134 गेंदों का सामना किया और 14 चौके मारे। तीसरे विकेट के लिए हरमनप्रीत कौर के साथ जेमिमा ने 167 रनों की साझेदारी बनाई। 156 गेंदों की इस साझेदारी ने मैच को भारत की तरफ मोड़ दिया। हरमनप्रीत कौर शतक से चूक गईं। उन्होंने 88 गेंद पर 89 रनों की पारी खेली। दीप्ति शर्मा ने 17 गेंद पर 24 जबकि ऋचा घोष ने 16 गेंद पर 26 रनों का योगदान दिया। अंत में अमनजोत कौर ने 8 गेंद पर 15 रनों की नाबाद पारी खेली। सलामी बल्लेबाज फोबे लिचफील्ड ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 119 रन रनों की पारी खेली। एलिस पेरी (77 रन) और एश्ले गार्डनर (63 रन) के बल्ले से भी अर्धशतक निकला। बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने 49 रन देकर दो विकेट लिए। मेहमान टीम दो विकेट पर 220 रन के स्कोर से छह विकेट पर 265 रन तक पहुंच गई लेकिन इसके बाद गार्डनर की 45 गेंद में चार चौके और इतने ही छक्के जड़ित पारी ने टीम को 300 रन के पार करा दिया। टीम एक गेंद रहते 338 रन के स्कोर पर सिमट गई।

ट्रंप के दावे पर बोले शी जिनपिंगः चीन की भूमिका नकारना गलत, थाईलैंड-कंबोडिया शांति में हमारा भी योगदान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बीजिंग

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे को खारिज कर दिया है, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि थाईलैंड और कंबोडिया के बीच शांति स्थापित करने में चीन की कोई भूमिका नहीं रही। दक्षिण कोरिया के बुसान शहर में दोनों नेताओं की बैठक के दौरान शी जिनपिंग ने साफ कहा कि इस संघर्ष को सुलझाने में चीन ने भी योगदान दिया है। बुसान में हुई शिखर वार्ता के दौरान ट्रंप ने थाईलैंड और कंबोडिया के बीच हुए समझौते को "ऐतिहासिक शांति समझौता" बताते हुए कहा था कि इसमें अमेरिका की बड़ी भूमिका रही। लेकिन शी जिनपिंग ने उनके दावे को अस्वीकार करते हुए कहा कि चीन लंबे समय से दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई पड़ोसी देशों के बीच सीमा विवाद सुलझाने के प्रयास करता आ रहा है। उन्होंने कहा कि बीजिंग ने थाईलैंड और कंबोडिया को अपने तरीके से बातचीत के लिए प्रेरित किया और संघर्ष खत्म करने की दिशा में मध्यस्थता की। हांगकांग स्थित 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' की रिपोर्ट के मुताबिक, थाई-कंबोडिया तनाव के चरम पर चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने दोनों देशों के विदेश मंत्रियों से गोपनीय बैठकों के माध्यम से बातचीत कराई थी। इन बैठकों में संघर्ष विराम और सीमा पर भारी हथियार हटाने पर चर्चा हुई थी। शी जिनपिंग का बयान दक्षिण-पूर्व एशिया में चीन की बढ़ती भूमिका और उसके प्रभाव को स्पष्ट करता है, जहां वह आर्थिक और सुरक्षा दोनों मोर्चों पर अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। ट्रंप ने अपनी एशिया यात्रा के दौरान थाईलैंड और कंबोडिया के नेताओं के बीच हुए समझौते को ऐतिहासिक डील बताया था और कहा था कि यह उनके नेतृत्व में हुआ एक बड़ा कदम है। हालांकि, बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, थाईलैंड के विदेश मंत्री सिहासाक फुआंगकेटकिओ ने इस समझौते को शांति समझौता मानने से इनकार करते हुए कहा कि यह केवल "शांति की दिशा में एक रास्ता" है। इस दस्तावेज को थाईलैंड और कंबोडिया के बीच संबंधों की संयुक्त घोषणा कहा गया है, न कि शांति संधि। समझौते में केवल प्रारंभिक कदम बताए गए हैं।

आस्था धामों और पर्यटक स्थलों के विकास के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध, अधिकारी विकास कार्यों को तय समय पर करें पूराः भजनलाल शर्मा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

विकास के साथ-साथ विरासत का संरक्षण के संकल्प को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार आस्था धामों और पर्यटक स्थलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को प्रदेश के गौरवशाली इतिहास, प्राचीन धरोहर और धार्मिक पर्यटक स्थलों के विकास और पुनर्विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए तय समय में पूरा करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही, ऐतिहासिक इमारतों के निर्माण के लिए विशेष प्रकोष्ठ के गठन के लिए निर्देशित भी किया। शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट, पूंछरी का लौठा और तनोट माता मंदिर के विकास और पुनर्विकास कार्यों के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के जीवन से परिचित कराने तथा उनके शौर्य की गाथा जन-जन तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट विकसित कर रही है। इस सर्किट में महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े विभिन्न स्थलों जैसे, चावंड, हल्दीघाटी, गोगुंदा, कुंभलगढ़, दिवेर, उदयपुर आदि को सम्मिलित किया गया है, जिसके लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

विशाल चेतक स्मारक का होगा निर्माण-

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को चावंड में महाराणा प्रताप के समाधि स्थल को सुनियोजित रूप से विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यहां प्रवेश द्वार और ब्रिज के कार्यों के संबंध में विशेष निर्देश प्रदान करते हुए पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए। शर्मा ने हल्दीघाटी में महाराणा प्रताप के स्वामीभक्त घोड़े चेतक के ऐतिहासिक एवं विशाल स्मारक की रूपरेखा के संबंध में विशेष दिशा-निर्देश भी प्रदान किए। शर्मा ने अधिकारियों को जैसलमेर स्थित तनोट माता मन्दिर में पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए यहां श्रद्धालुओं के ठहरने की उचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने मंदिर के प्रवेश द्वार और धर्मशाला के साथ ही संपर्क सड़कों के निर्माण के लिए भी विशेष दिशा-निर्देश प्रदान किए।

निविदा प्रक्रिया में लाएं गति

मुख्यमंत्री ने पूंछरी का लौठा और गोवर्धन परिक्रमा के प्रगतिरत विकास कार्यों के संबंध में अधिकारियों को निविदा प्रक्रिया में गति लाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि विभिन्न चरणों में विकसित होने वाले इस पावन धाम पर श्रद्धालुओं को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान की जाएं। बैठक में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भारत-पाक बॉर्डर पर संदिग्ध पकड़ा, नहीं मिला कोई वैध आईडी कार्ड; सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जैसलमेर

राजस्थान के जैसलमेर जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास एक बड़ा हड़कंप मच गया. बीएसएफ जवानों ने गश्त के दौरान एक व्यक्ति को संदिग्ध हालत में पकड़ा. यह घटना मुरार बॉर्डर इलाके में हुई जहां सीमा बेहद करीब है. पकड़े गए शख्स का नाम मोहम्मद इक़बाल है और उसकी उम्र लगभग 40 साल बताई जा रही है. वह बिहार के अररिया जिले का रहने वाला है. गश्ती दल ने इक़बाल को सीमा के ठीक पास घूमते देखा. वह अकेला था और उसकी हरकतें शक पैदा करने वाली थीं. जवानों ने तुरंत उसे दबोच लिया. मौके पर ही सख्त पूछताछ शुरू हुई. इक़बाल के पास कोई वैध आईडी या सीमा क्षेत्र में घूमने की अनुमति नहीं मिली. यह बात सुरक्षा बलों के लिए चिंता का सबब बन गई. प्रारंभिक सवाल-जवाब के बाद बीएसएफ ने इक़बाल को शाहगढ़ थाने की पुलिस को सौंप दिया.

मोंथा का असरः यूपी-बिहार में बारिश, एमपी में तापमान गिरा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लखनऊ

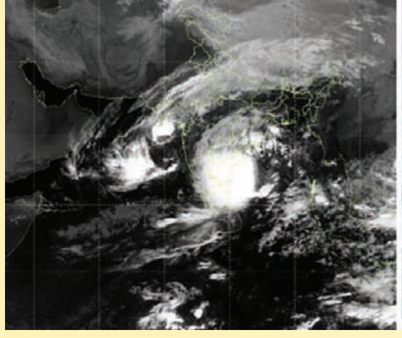

चक्रवात मोंथा लगातार कमजोर हो रहा है, लेकिन इसका असर कई राज्यों में देखा जा रहा है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा में चक्रवात से काफी नुकसान हुआ है। आंध्र प्रदेश में तीन लोगों की मौत हो गई, 42 मवेशी मारे गए और करीब 1.5 लाख एकड़ में खड़ी फसलें बर्बाद हो गईं। तेलंगाना के कई हिस्सों में तेज बारिश जारी है। सूर्यापेट में पेड़ गिरने से बाइक सवार की मौत हो गई। खम्मम जिले में एक ट्रक ड्राइवर के बह जाने की भी खबर है। चक्रवात मोंथा का असर उत्तर भारत के राज्यों पर दिखा। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार में भी बारिश जारी है। बृहस्पतिवार को यूपी के अयोध्या, लखनऊ-कानपुर समेत 15 शहरों में रुक-रुक कर बारिश हुई। काशी में बारिश से जलभराव हो गया। मध्य प्रदेश के कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। वहीं, भोपाल, इंदौर-उज्जैन में तेज हवा चली। राजस्थान के जयपुर, अलवर, करौली सहित कई जिलों में बृहस्पतिवार सुबह तेज बूंदाबांदी हुई। इससे तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। उधर, नेपाल में चक्रवात 'मोन्था' के असर से लगातार बारिश और बर्फबारी हो रही है। नेपाली मौसम विभाग ने 26 जिलों में बाढ़ और भूस्खलन का अलर्ट जारी किया है। कोशी, मधेश और बागमती प्रांतों की नदियों में जलस्तर तेजी से बढ़ने की आशंका जताई गई है। विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और नदी किनारे के इलाकों से दूर रहने की अपील की है। मौसम विभाग ने यह भी बताया कि अरब सागर के पूर्व-मध्य भाग में एक और निम्न दबाव का क्षेत्र सक्रिय है। पूर्व-मध्य अरब सागर में बना कम दबाव का क्षेत्र बीते छह घंटों में पश्चिम की ओर 13 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ा है और अगले 36 घंटे तक इस ओर ही बढ़ेगा।

चक्रवात 'मोंथा' से आंध्र प्रदेश को 5,265 करोड़ का नुकसान

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि चक्रवाती तूफान 'मोंथा' से राज्य को करीब 5,265 करोड़ का नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि यह प्रारंभिक अनुमान है, और विस्तृत रिपोर्ट जल्द केंद्र सरकार को भेजी जाएगी। सचिवालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्यमंत्री नायडू ने विभिन्न विभागों और क्षेत्रों में हुए नुकसान का ब्यौरा दिया। उन्होंने बताया कि सड़क एवं भवन विभाग को सबसे अधिक 2,079 करोड़ का, कृषि क्षेत्र को 829 करोड़, बागवानी को 40 करोड़, रेशम उत्पादन को 65 लाख, मत्स्य पालन क्षेत्र को 1,270 करोड़, नगर प्रशासन विभाग को 109 करोड़, जल संसाधन विभाग को 207 करोड़, ग्रामीण जल आपूर्ति को 1.2 करोड़, पंचायत राज विभाग को 9 करोड़ और महिला एवं बाल कल्याण विभाग को 1.52 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। नायडू ने बताया कि भारी बारिश और तेज हवाओं से कई सड़कें टूट गईं, और जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं। उन्होंने कहा कि नुकसान का अंतिम आंकड़ा अन्य प्रभावित इलाकों का मूल्यांकन करने के बाद अपडेट किया जाएगा।

नेल्लोर, बापटल और प्रकाशम सबसे प्रभावित जिले

मुख्यमंत्री ने बताया कि 'मोंथा' से सबसे अधिक प्रभावित जिले नेल्लोर, बापटल और प्रकाशम रहे, जबकि अनुमानित जगह काकीनाडा में लैंडफॉल नहीं हुआ। मौसम प्रणाली ने अंततः कोनसीमा जिले के अंतरवेदी गांव के पास तट को पार किया। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राज्य के प्रमुख जलाशय अब अपनी क्षमता के लगभग 90 प्रतिशत तक भर चुके हैं, जिनमें करीब 98.5 टीएमसी (हजार मिलियन घन) पानी संग्रहित है।

केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव का अलवर दौरा: आस्था, खेल और विकास के संगम का दिन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव का गुरुवार का अलवर प्रवास धार्मिक आस्था, खेल भावना और विकास कार्यों के समन्वय का प्रतीक बन गया। मंत्री यादव ने गोपाष्टमी पर्व पर गौ पूजन कर सनातन संस्कृति के प्रति आस्था व्यक्त की, वहीं सांसद खेल उत्सव 2.0 के तहत खिलाडियों में जोश भरा, सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में यूनिटी मार्च पदयात्रा अभियान की शुरुआत की और विकास के क्षेत्र में कई परियोजनाओं का शुभारम्भ व शिलान्यास किया।

सुबह उन्होंने स्टेशन रोड स्थित सार्वजनिक गौशाला में पहुंचकर गौमाता को चारा खिलाकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति की परिचायक हैं और हमारे ग्रंथों में उन्हें पवित्र स्थान प्राप्त है। गौसेवा से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और सुख-समृद्धि प्राप्त होती है। यादव ने गौशाला की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर राधा-कृष्ण मंदिर में पूजा कर देश और प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

इसके बाद मंत्री यादव ने अलवर सांसद खेल उत्सव 2.0 का शुभारम्भ किया। आरआर कॉलेज खेल मैदान, रामगढ़ और चिकानी में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में उन्होंने भाग लेकर खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया। यादव ने कहा कि "खेल पॉजिटिविटी का दूसरा नाम हैं, जो मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के साथ राष्ट्रीय एकता को मजबूत करते हैं।" उन्होंने बताया कि इस उत्सव में 50 हजार से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। उन्होंने घोषणा की कि 8 फरवरी 2026 को अलवर में अंतरराष्ट्रीय स्तर की टाइगर मैराथन, लिटरेचर फेस्टिवल और एजुकेशन फेयर का आयोजन किया जाएगा। वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि खेल उत्सव के जरिए जिले की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच मिल रहा है।

यादव ने बाद में एलआईटी कॉलेज में प्रेसवार्ता कर सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 'यूनिटी मार्च पदयात्रा' अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि 31 अक्टूबर से 25 नवम्बर तक देशभर में जिला स्तरीय पदयात्राएं आयोजित की जाएंगी, जिनका समापन 6 दिसम्बर को 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' पर होगा। इस दौरान युवाओं में राष्ट्रीय एकता और देश सेवा की भावना को सशक्त करने हेतु निबंध, क्विज, वाद-विवाद और अन्य प्रतियोगिताएं होंगी। जिले में 31 अक्टूबर को नेहरू उद्यान से विवेकानंद सर्किल तक यूनिटी मार्च पदयात्रा निकाली जाएगी।

केंद्रीय वन मंत्री ने गुरुवार को राजकीय वाणिज्य महाविद्यालय में राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) के सहयोग से बने सिंथेटिक बास्केटबॉल कोर्ट का शिलान्यास भी किया। उन्होंने विद्यार्थियों को खेल और शिक्षा दोनों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि "महाविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों को इस तरह विकसित किया जाए कि विद्यार्थियों को मल्टीपल कोर्सेज का लाभ मिले।" इस अवसर पर वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने महाविद्यालय में कक्षा निर्माण हेतु 15 लाख रुपये देने की घोषणा की।

इसके साथ ही मंत्री यादव और वन राज्यमंत्री शर्मा ने बुध विहार फायर स्टेशन पर 220.67 लाख रुपये की लागत से खरीदी गई 4 मैकेनिकल ट्रक माउंटेड रोड स्वीपर मशीनों का लोकार्पण किया। यादव ने कहा कि "स्वच्छता में ही ईश्वर का वास है। इन मशीनों से अलवर की सफाई व्यवस्था और बेहतर होगी।" शर्मा ने बताया कि केंद्रीय मंत्री के मार्गदर्शन में अलवर ने स्वच्छता सर्वेक्षण में 54वां और स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में देशभर में तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

अलवर प्रवास के दौरान अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्याण चौबे, जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला, नगर निगम आयुक्त सोहन सिंह नरूका, विधायक सुखवन्त सिंह, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, महासिंह चौधरी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, खिलाड़ी व बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे। मंत्री यादव के इस व्यस्त प्रवास ने अलवर में विकास, खेल और संस्कृति के संगम का नया अध्याय जोड़ा।

61 जोड़ों का आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन 1 नवम्बर को नयागाँव में

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

श्री कृष्णा यादव सेवा समिति, अलवर द्वारा यादव (अहीर) समाज के तत्वावधान में 61 जोड़ों का आठवां आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन 1 नवम्बर 2025, शनिवार (देवउठनी एकादशी) को ग्राम नयागाँव, तहसील रैणी में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन प्रातः 7 बजे से सायं 4 बजे तक संपन्न होगा। समिति प्रवक्ता एडवोकेट योगेश यादव ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव होंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सांसद डॉ. करण सिंह यादव करेंगे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक डॉ. जसवंत सिंह यादव (बहरोड़), विधायक महंत बाबा बालकनाथ योगी (तिजारा), पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव (किशनगढ़बास) और विधायक ललित यादव (मुंडावर) उपस्थित रहेंगे। आयोजन का पावन सानिध्य महामंडलेश्वर साध्वी पुष्पा शास्त्री जी (श्री श्याम गौशाला, रेवाड़ी), स्वामी सुधानंद महाराज (योग आश्रम, लालपुर), महंत वेदनाथ जी महाराज (योगी माला आश्रम, भिवानी) और महंत गंगागिरी महाराज (आलमशाह कुंड आश्रम) प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में समाज के प्रमुख जन, प्रशासनिक अधिकारी, राजनेता, उद्योगपति, भामाशाह, सामाजिक कार्यकर्ता तथा धार्मिक हस्तियाँ बड़ी संख्या में भाग लेंगी। समिति प्रवक्ता योगेश यादव ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारियाँ लगभग पूर्ण कर ली गई हैं। प्रत्येक नवविवाहित जोड़े को समिति की ओर से समस्त घरेलू सामान उपहारस्वरूप प्रदान किया जाएगा और सभी को वैवाहिक प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। इस सामूहिक विवाह सम्मेलन का उद्देश्य समाज में सादगीपूर्ण, संस्कारयुक्त और आदर्श वैवाहिक परंपरा को बढ़ावा देना है।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर Run For Unity के जरिए अलवर पुलिस देगी एकता का संदेश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में विशेष आयोजन किए जाएंगे। इसी क्रम में अलवर पुलिस द्वारा "Run For Unity" का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य देश में एकता, अखंडता और सद्भाव का संदेश देना है। एडिशनल एसपी शरणं कांबले (IPS) ने बताया कि यह दौड़ पुलिस और नागरिकों के बीच पारस्परिक सहयोग और विश्वास को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम का आयोजन 31 अक्टूबर की सुबह 6:30 बजे से 8:30 बजे तक किया जाएगा। दौड़ जय पल्टन, जिला अलवर से प्रारंभ होकर गायत्री मंदिर रोड से होते हुए पुलिस लाइन परेड ग्राउंड पर समाप्त होगी। उन्होंने बताया कि जिला स्तर के अलावा सभी थाना क्षेत्रों में भी "एकता दौड़" आयोजित की जाएगी, जिसमें सीएलजी सदस्य, सुरक्षा सखी, पुलिस मित्र, एनजीओ प्रतिनिधि, ग्राम रक्षक और आमजन उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। आयोजन के दौरान प्रतिभागियों को राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता का संदेश देने वाले नारों के माध्यम से प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम के बाद सुबह 10:30 बजे पुलिस अधीक्षक कार्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई जाएगी, जिसमें अधिकारी, कर्मचारी और नागरिक एकजुट होकर देश की अखंडता बनाए रखने का संकल्प लेंगे। अलवर पुलिस का यह प्रयास न केवल सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति को नमन करेगा, बल्कि "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" की भावना को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

4 नवंबर से शुरू होगा वोटर आईडी सत्यापन अभियान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

उपखंड कार्यालय में उपखंड अधिकारी अर्चना चौधरी की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 4 नवंबर से घर-घर जाकर वोटर आईडी सत्यापन अभियान प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। उपखंड अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान प्रत्येक राजस्व अधिकारी और कर्मचारी को निर्धारित समयावधि में क्षेत्र की मतदाता सूचियों का भौतिक सत्यापन करना होगा। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चौधरी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि घर-घर जाकर मतदाताओं की पहचान, पते और अन्य विवरणों का सत्यापन कर अद्यतन सूची तैयार करें, ताकि मतदाता सूची में कोई त्रुटि न रहे। उन्होंने कहा कि यह अभियान निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान प्रक्रिया की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में सभी तहसीलदार, पटवारी और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। उपखंड अधिकारी ने सभी को अभियान को सफल बनाने के लिए आपसी समन्वय से कार्य करने का आह्वान किया।

छिटपुट बरसात के साथ पूरे दिन छाए रहे बादल, ठंडी हवाओं से बढ़ी सर्दी का एहसास

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

कस्बे में गुरुवार को मौसम ने अचानक करवट ली। सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए रहे और दिनभर रुक-रुककर हल्की बूंदाबांदी होती रही। लगातार हो रही बूंदाबांदी और ठंडी हवाओं के कारण तापमान सामान्य से नीचे आ गया, जिससे सर्दी का एहसास बढ़ गया। दिनभर चलने वाली ठंडी हवाओं और नमी भरे वातावरण ने लोगों को हल्की ठिठुरन महसूस कराई। अचानक हुए मौसम परिवर्तन से जनजीवन प्रभावित रहा। बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा और सड़कों पर सामान्य दिनों जैसी चहल-पहल नहीं दिखी। आवश्यक कार्यों के लिए घरों से निकलने वाले लोग छातों और हल्के ऊनी वस्त्रों का सहारा लेते नजर आए, जबकि अधिकांश लोग घरों में ही सीमित रहे। बरसात के कारण राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। कई जगहों पर कीचड़ जमने से पैदल चलना मुश्किल हो गया। दिनभर सूर्यदेव के दर्शन न होने से ठंडक में और इजाफा महसूस हुआ। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों तक इसी प्रकार के मौसम बने रहने की संभावना जताई है। मौसम में आए इस बदलाव से किसानों के चेहरे पर भी मिश्रित प्रभाव देखने को मिला। जहां रबी फसलों के लिए यह हल्की बरसात फायदेमंद मानी जा रही है, वहीं नमी अधिक होने से खेतों में कामकाज प्रभावित हुआ। कुल मिलाकर गुरुवार का दिन बादलों, ठंडी हवाओं और छिटपुट बारिश के नाम रहा।

उपखण्ड कार्यालय में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर उपखण्ड कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। जिला कलक्टर ने कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपखण्ड अधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बीएलओ एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, राजनैतिक दलों को सूचना, मतदान केन्द्रों के पुनर्गठन तथा ऑनलाइन प्रपत्र भरने को बढ़ावा देने के कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं। जिला कलक्टर ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में बीएलओ की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। सभी बीएलओ और बीएलओ पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है, अब नए दिशा-निर्देशों के अनुरूप उनके लिए रिफ्रेशर सत्र भी आयोजित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक बीएलओ अपनी दैनिक प्रगति का अभिलेखन करे, ताकि ईआरओ स्तर पर उनकी निगरानी और मूल्यांकन सुचारू रूप से हो सके। कलक्टर ने कहा कि बीएलओ अपनी पहचान पत्र के साथ कार्य करें और एसआईआर प्रक्रिया से संबंधित सभी कार्यों का समय पर निस्तारण सुनिश्चित करें। बीएलओ एप पर मांगी गई सूचनाओं को नियमित रूप से अपडेट करें और बूथ लेवल एजेंट के साथ समन्वय बनाए रखें। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी बीएलओ द्वारा कार्य में लापरवाही पाई जाती है तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

हल्की बारिश और बूंदाबांदी से बढ़ी सर्दी, किसानों के चेहरे खिले, पशुपालक चिंतित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा थानागाजी

क्षेत्र में बीते तीन दिनों से बदलते मौसम के मिजाज के बीच गुरुवार को भी बादलों ने आसमान पर डेरा डाले रखा। अलसुबह करीब साढ़े चार बजे से शुरू हुई हल्की बारिश और बूंदाबांदी का दौर दिनभर रुक-रुककर देर रात तक जारी रहा। हल्की वर्षा से कच्चे रास्तों पर कीचड़ और गड्ढों में पानी भर गया, जिससे राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। आसमान में घने बादलों के साथ हुई बूंदाबांदी के कारण तापमान में गिरावट आई और ठंडक बढ़ गई। लोग दिनभर गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आए। बारिश ने किसानों के चेहरे पर मुस्कान ला दी है, वहीं पशुपालकों के लिए चिंता का कारण बन गई है। किसानों का कहना है कि जिन लोगों ने गेहूं, चना और सरसों की बुवाई कर दी थी, उनके लिए यह मावठ अमृत के समान साबित होगी। खेतों में अंकुरित फसलों को नमी मिलने से फसल की बढ़वार में मदद मिलेगी। वहीं दूसरी ओर, पशुपालक परेशान हैं। पहले हुई भारी बारिश के दौरान खेतों में रखी मक्का और बाजरे की कड़बी भीग जाने से काली पड़ गई थी। पशुपालकों ने उस गीली कड़बी को सूखने के लिए आहातों और खेतों में डोलों पर फैला रखा था, लेकिन गुरुवार की इस हल्की बारिश ने उसे फिर से गीला कर दिया। पशुपालकों का कहना है कि गली-सड़ी कड़बी से दुर्गंध आने लगी है, जिसे पशु खाने से इंकार कर रहे हैं। इससे पशुओं के चारे की समस्या और गंभीर हो गई है। दिनभर आसमान में बादलों की आवाजाही और ठंडी हवाओं के कारण तापमान सामान्य से नीचे चला गया। मौसम में आए इस बदलाव के चलते शाम ढलते ही लोग घरों में दुबक गए। क्षेत्रवासियों का कहना है कि दीपावली के बाद पहली बार इस तरह की ठंड महसूस हुई है, जिससे अब सर्दियों की दस्तक साफ दिखाई देने लगी है।

पोक्सो न्यायालय ने मूक-बधिर नाबालिग बालिका के साथ हुए छेडछाड के मुकदमे में मुलजिम 7 साल सजा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

विशिष्ठ न्यायाधीश पोक्सो नंबर . 2 की न्यायाधीश शिल्पा समीर ने मुक- बधिर बालिका के साथ छेड़खानी के प्रकरण में 7 साल के कारावास की सजा से मुलजिम अशोक को दण्डित किया। विशिष्ठ लोक अभियोजक पंकज यादव ने बताया की पीड़िता की माँ ने लक्ष्मणगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 11.09.2024 को शाम 5.15 बजे उसकी मूक- बधिर बालिका जो करीब 16 साल की है वह रोती हुई घर पर आई और इशारों से उसने घबराते हुए अपने हाथ से अपने स्तन को दबाते हुए बताया की उसे दर्द हो रहा है और अपनी माँ का हाथ पकड़ कर मुल्ज़िम अशोक के घर की ओर ले गई जहाँ रास्ते से मुल्ज़िम अशोक आता दिखाई दिया तो उसकी मूक-बधिर बेटी द्वारा अशोक की तरफ हाथ का इशारा कर उसके साथ छेड़खानी करना बताया जिस पर अशोक वहां से भाग गया। जिस पर उसके द्वारा थाने में पहुंचकर मुकदमा दर्ज कराया। जिस पर पुलिस ने अनुसन्धान में पीड़िता कि साथ हुई घटना को पूरी तरह से समझने व अनुसंधान में मूक बधिर विशेषज्ञ कि मदद ली और बाद अनुसन्धान न्यायालय में आरोपी अशोक के विरुद्ध चार्जशीट पेश की । अभियोजन पक्ष ने 14 गवाह और 22 दस्तावेजी साक्ष्य प्रदर्शित करवाई गई। न्यायालय ने भी मूक बधिर विशेषज्ञ के माध्यम से पीड़िता कि साक्ष्य को लेखबद्ध किया गया। न्यायालय द्वारा दोनों पक्षो की सुनवाई के बाद आरोपी अशोक को दोषसिद्ध किया सजा के बिंदु पर मुलजिम के अधिवक्ता ने सजा में नरमी का रुख अपनाया जाकर कम सजा से दंडित किए जाने पर निवेदन किया। विशिष्ट लोक अभियोजक द्वारा इसका विरोध किया गया। न्यायालय की न्यायाधीश शिल्पा समीर द्वारा कहा गया कि मुलजिम द्वारा मूक-बधिर बालिका जो सोचने समझने और वार्तालाप करने में असमर्थ है। जो मानसिक रूप से भी सशक्त नहीं है जिसकी ऐसी हालत का मुलजिम द्वारा फायदा उठाया गया है। जिससे मुल्जिम की सजा में नरमी नहीं रखी जा सकती।न्यायालय द्वारा मुल्जिम अशोक को 7 साल के कारावास की सजा सुनाई व 30 हजार के अर्थदंड से भी दण्डित किया गया। और न्यायालय द्वारा पीड़िता को प्रतिकर योजना के तहत 1 लाख रूपये प्रतिकर दिलवाये जाने हेतु सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर को अनुशंसा की गई

किलकारी कार्यक्रम से मातृ-शिशु स्वास्थ्य सुधार की दिशा में प्रयास

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेंद्र कुमार शर्मा के निर्देशन में किलकारी कार्यक्रम के तहत मंगलवार को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पहाड़गंज में MCHN ऑब्जर्वेशन विजिट की गई। इस अवसर पर अरमान किलकारी एवं मोबाइल एकेडमी जयपुर की डीपीओ स्वाति द्विवेदी ने बताया कि वर्ष 2016-17 से संचालित किलकारी कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं और नवजात बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार लाना एवं मातृ तथा शिशु मृत्यु दर को कम करना है। कार्यक्रम के अंतर्गत गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को कॉल के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी जाती है। साथ ही बच्चे में किसी भी प्रकार के खतरे के लक्षण दिखने पर परिवारजनों को सतर्क रहने और आवश्यक कदम उठाने की जानकारी भी प्रदान की जाती है। यह जानकारी 'डॉ. अनीता' नामक डिजिटल वॉइस के माध्यम से प्रसारित की जाती है, जिससे संदेश सरल भाषा में लाभार्थियों तक पहुंचता है। विजिट के दौरान उपस्थित गर्भवती महिलाओं एवं एक वर्ष तक के बच्चों की माताओं को किलकारी कॉल की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही आशा सहयोगिनी एवं एएनएम से कार्यक्रम की प्रगति पर चर्चा कर उनका ODK फॉर्म भी भरा गया। स्वाति द्विवेदी ने बताया कि किलकारी टोल-फ्री नंबर 1800-403-6600 और डायलिंग नंबर 14423 के बारे में सभी एएनएम और आशा सहयोगिनियों को अवगत कराया गया है। उन्हें निर्देश दिए गए कि ये नंबर ममता कार्ड पर दर्ज करें तथा लाभार्थियों और उनके परिवारजनों को इसकी जानकारी दें, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं इस सेवा का लाभ उठा सकें। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग के कार्मिकों के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं और उन्होंने किलकारी कॉल से संबंधित जानकारी को उपयोगी बताया।

अलवर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट पर जिला कलक्टर ने ली बैठक

अलवर को स्मार्ट व हैरिटेज सिटी के रूप में विकसित करने के लिए 60 करोड़ रुपए होंगे खर्च

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर को स्मार्ट और हैरिटेज सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आज कलक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कलक्टर ने बताया कि राजस्थान अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट एंड फाइनेंस कॉर्पोरेशन के माध्यम से जयपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड को अलवर शहर के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट के रूप में दायित्व सौंपे गए हैं। इसके तहत शहर की मास्टर प्लानिंग, डिजाइनिंग, तकनीकी सलाह और मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी इस एजेंसी को दी गई है। बैठक में नगर विकास न्यास, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, जयपुर डिस्कॉम, चिकित्सा विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों से विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कलक्टर ने बताया कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अंतर्गत 60 करोड़ रुपए की लागत से अलवर में विकास कार्य किए जाएंगे। इन कार्यों में सड़क, सीवर, ड्रेनेज, इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार, कचरा संग्रहण व निस्तारण जैसी नागरिक सेवाओं को स्मार्ट स्वरूप देने पर विशेष जोर रहेगा। साथ ही शहर को हैरिटेज लुक के साथ आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने की दिशा में योजनाएं तैयार की जा रही हैं। उन्होंने यूआईटी सचिव को निर्देश दिए कि कार्य योजना में स्मार्ट पार्किंग, सोलर लाइटिंग, ईवी चार्जिंग पॉइंट, प्रमुख चौराहों पर वाटर हार्वेस्टिंग और वेस्ट वाटर मैनेजमेंट जैसे प्रस्ताव शामिल किए जाएं। कलक्टर ने कम्पनी गार्डन के पुनर्विकास, लालडिग्गी को हैरिटेज टूरिज्म के रूप में विकसित करने, वेंडिंग जोन को सुव्यवस्थित करने, सरकारी भवनों को सोलर और वाटर पॉजिटिव बनाने तथा शहर के स्वरूप को आकर्षक व ऐतिहासिक रंग देने के निर्देश भी दिए। नगर निगम को हैरिटेज टूरिज्म को बढ़ावा देने के साथ-साथ कचरा संग्रहण और निस्तारण की स्मार्ट व्यवस्था लागू करने, पुराने सूचना केंद्र में आधुनिक लेकिन हैरिटेज लुक वाली लाइब्रेरी विकसित करने के निर्देश दिए गए। कलक्टर ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर जयपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के विशेषज्ञों के साथ योजनाएं तैयार करें ताकि नागरिक सेवाओं को आधुनिक स्वरूप दिया जा सके और पर्यटन को बढ़ावा मिले। बैठक में यूआईटी सचिव स्नेहल धीगडे नाना, नगर निगम आयुक्त सोहन सिंह नरूका, पीडब्ल्यूडी की अधीक्षण अभियंता अल्का व्यास, जयपुर डिस्कॉम के अधिशाषी अभियंता महेश देसवाल, यूआईटी के अधिशाषी अभियंता अशोक मदान, नगर निगम के अधिशाषी अभियंता खेमराज मीणा, रीको के वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक परेश सक्सेना और एनकेप विशेषज्ञ योगेश पूनिया सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर समीक्षा

28 अक्टूबर 2025 से 7 फरवरी 2026 तक चलेगी एसआईआर की प्रक्रिया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बुधवार को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर जिलेवार समीक्षा की। उन्होंने शासन सचिवालय से वीसी के जरिए सभी संभागीय आयुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए। वीसी में भारत निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधि के रूप में राजस्थान के जोनल अधिकारी एवं उप निर्वाचन आयुक्त भानू प्रकाश अटरू ने भी संबोधित किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बैठक में बताया कि बीएलओ एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, राजनैतिक दलों को सूचना, मीडिया प्रबंधन, मतदान केन्द्रों के पुनर्गठन, ऑनलाइन प्रपत्र भरने को बढ़ावा देने को लेकर जिलेवार विस्तृत चर्चा एवं आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

बीएलओ, वॉलन्टीयर्स एवं हेल्पडेस्क कार्मिकों का प्रशिक्षण

महाजन ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में बीएलओ सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है उन्होंने कहा कि समस्त बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण किया जा चुका है, शीघ्र ही इनके लिए नए दिशा-निर्देशों के अनुरूप रिफ्रेशर सत्र आयोजित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि बीएलओ द्वारा अपनी दैनिक प्रगति का अभिलेखन किया जाए जिसके आधार पर बीएलओ पर्यवेक्षक, ईआरओ, डीईओ एवं सीईओ स्तर पर उनका पर्यवेक्षण किया जाएगा। साथ ही वॉलन्टीयर्स एवं हेल्पडेस्क कार्मिकों का प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किया जाए।

बीएलओ के लिए एडवायजरी जारी

एसआईआर की संपूर्ण प्रक्रिया के दौरान बीएलओ से ये अपेक्षा की जाती है कि वह अपना पहचान पत्र पहन कर रखें। सभी प्रक्रियाओं का समय पर निस्तारण करें, प्रतिदिन बीएलओ अपनी दैनिक प्रगति का अभिलेखन करें। बीएलओ एप पर चाही गयी सूचनाओं को अपडेट करें। बूथ लेवल एजेंट के साथ समन्वय रखते हुए कार्य करें।

वर्तमान मतदाताओं की विगत एसआईआर मतदाता सूची के साथ मैपिंग

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सभी राज्यों की मतदाता सूचियां https//voters.eci.gov.in/ पर अपलोड कर दी गयी है। साथ ही यह लिंक मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि विगत एसआईआर की मतदाता सूची में अगर किसी वर्तमान मतदाता के माता-पिता/ दादा-दादी आदि का नाम शामिल है तो सटीक और सत्यापित पारिवारिक संबंध के माध्यम से वंशावली मानचित्रण (मैपिंग) की जाए। राजस्थान में अब तक 70' मतदाताओं की मैपिंग की जा चुकी है जिसे निकट भविष्य में 85 प्रतिशत तक पहुंचाया जाए। जिससे इन मतदाताओं से किसी भी तरह का दस्तावेज लेने की आवश्यकता नहीं रहेगी।

अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी नियोजित किए गए

महाजन ने बताया कि अर्बन एपेथी से निपटने के लिए 7 जिलों के नगर-निगमों के आयुक्तों को अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। इनमें जयपुर, जोधपुर, कोटा, अजमेर, उदयपुर, बीकानेर एवं भरतपुर शामिल है। जिससे सभी पात्र मतदाताओं की मैपिंग अथवा लिंकिंग में शहरी क्षेत्र के सभी मतदाताओं तक पहुंच को सुगम बनाया जा सके तथा शहरी क्षेत्र के मतदाताओं से विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान सरलता से गणना प्रपत्र भरवाया जा सके।

राजनैतिक दलों एवं मीडिया की सहभागिता

महाजन ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए कि मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित सभी बिंदुओं से अवगत कराया जाए। बीएलए (BLA) की नियुक्ति की स्थिति पर भी चर्चा की जाए। साथ ही अधिक से अधिक सहभागिता के लिए भी अनुरोध किया जाए, जिससे निष्पक्षता एवं पारदर्शिता बनी रहे। महाजन ने निर्देश दिए कि जिला स्तर पर गठित मीडिया सेल सतर्क होकर कार्य करें। विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में केवल जिला निर्वाचन अधिकारी (DEO) ही जिला स्तर पर अधिकृत प्रवक्ता होंगे। नियमित प्रेस विज्ञप्ति एवं सोशल मीडिया अपडेट जारी किए जाएं। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं पंचायत स्तर पर ऑनलाइन आवेदन हेतु जागरूकता अभियान चलाया जाए। स्वयं सहायता समूहों व राजसखी को विशेष रूप से महिला मतदाताओं को प्रेरित करने हेतु जोड़ा जाए। उप निर्वाचन आयुक्त भानू प्रकाश अटरू ने समस्त जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया कि मैपिंग अधिकतम की जाए जिससे ज्यादातर मतदाताओं को सहुलियत रहे साथ ही निर्वाचन संबंधी कार्य में लगे अधिकारी एवं कर्मचारियों को संवैधानिक प्रावधानों से अवगत कराया।

जी.डी. गोयंका स्कूल भिवाड़ी की टीम ने सांसद खेल उत्सव में बास्केटबॉल में उपविजेता का खिताब जीता

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

जी.डी. गोयंका पब्लिक स्कूल भिवाड़ी की बास्केटबॉल टीम ने सांसद खेल उत्सव प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में जिलेभर के कई नामी स्कूलों की टीमों ने भाग लिया, जिसमें गोयंका स्कूल की टीम ने उत्कृष्ट खेल भावना और बेहतरीन तालमेल का परिचय दिया। फाइनल मुकाबले में टीम ने कड़े संघर्ष के बाद दूसरा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की प्राचार्या ने खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी और कहा कि छात्रों ने विद्यालय का नाम गर्व से ऊंचा किया है। उन्होंने बताया कि टीम के खिलाड़ियों ने निरंतर अभ्यास और अनुशासन के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। साथ ही उन्होंने छात्रों को आगे भी इसी तरह खेल भावना के साथ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्रबंधन ने सभी खिलाड़ियों और कोच को उनके मार्गदर्शन एवं मेहनत के लिए सराहा। यह सफलता भिवाड़ी क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है और छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी।

लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर 'सरदार@150 समारोह' का होगा आयोजन

31 अक्टूबर को ज़िले में एकता मार्च- पदयात्रा का प्रातः 9:30 बजे से होगा आगाज

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा,

सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर 2025 को जिलेभर में 'सरदार@150 समारोह' मनाया जाएगा। इस अवसर पर ज़िला मुख्यालय पर शुक्रवार को जिला सचिवालय खैरथल से प्रातः 9:30 बजे से यूनिटी मार्च-पदयात्रा का आयोजन लक्ष्मी नारायण मंदिर, शनि देव मंदिर से होते हुए अंबेडकर चौराहा तक किया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सरदार पटेल के विचारों के प्रति जागरूकता लाना है। जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने विभिन्न विभागों को तैयारियों व आयोजन के संबंध में आदेश जारी कर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि एकता मार्च में युवा खिलाड़ी, स्काउट, एनसीसी और स्कूल के विद्यार्थी भाग लेंगे। उन्होंने शिक्षा विभाग अधिकारी को सरदार@150 यूनिटी थीम से संबंधित क्विज, निबंध प्रतियोगिता एवं संवाद करवाने के निर्देश दिए एवं सभी गतिविधियों को माय भारत पोर्टल पर भी अपलोड करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि प्रतिभागी ḥसरदार@150 हस्टेग का उपयोग कर सोशल मीडिया पोस्ट भी कर सकते हैं.।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने दिल्ली में वाणिज्यिक मालवाहक वाहनों के प्रवेश नियमों में संशोधन जारी किया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण को लेकर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। आयोग ने संशोधन निर्देश जारी करते हुए दिल्ली में प्रवेश करने वाले वाणिज्यिक मालवाहक वाहनों के लिए नए नियम लागू किए हैं। यह आदेश आगामी 1 नवंबर 2025 से प्रभावी होगा।

प्रवेश पर सख्त प्रतिबंध

जिला परिवहन अधिकारी, भिवाड़ी ने बताया कि नए निर्देशों के अनुसार, दिल्ली के बाहर पंजीकृत वे सभी वाणिज्यिक मालवाहक वाहन–जैसे एलजीवीएस, एमजीवीएस और एचजीवीएस–जो बीएस-VI मानकों का पालन नहीं करते हैं, 1 नवंबर 2025 से दिल्ली में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। साथ ही, बीएस-IV मानक वाले वाणिज्यिक मालवाहक वाहनों को सीमित अवधि के लिए 31 अक्टूबर 2026 तक दिल्ली में प्रवेश की अनुमति दी गई है।

इन वाहनों को किसी भी समय अनुमति

निम्नलिखित श्रेणियों के वाहनों को वर्षभर दिल्ली में प्रवेश की अनुमति रहेगी–
दिल्ली में पंजीकृत वाणिज्यिक मालवाहक वाहन
बीएस-VI अनुपालक डीजल वाहन
बीएस-IV अनुपालक डीजल वाहन (31.10.2026 तक)
सीएनजी से चलने वाले वाहन
एलएनजी (द्रवीकृत प्राकृतिक गैस) वाहन
इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी)

केंद्रीय मंत्री ने हरसौली में शहीद भूपेंद्र सिंह की प्रतिमा का किया अनावरण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने गुरुवार को हरसौली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान शहीद भूपेंद्र सिंह की मूर्ति का अनावरण किया। इस अवसर पर केंद्रीय वन मंत्री यादव ने शहीद के परिजनों को नमन करते हुए कहा कि भारतीय सेना के वीर जवानों ने सदैव राष्ट्र की सुरक्षा, सम्मान और अखंडता के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि शहीद भूपेंद्र सिंह ने भी देश की सीमा पर कर्तव्य निभाते हुए मातृभूमि की रक्षा में अपना सर्वस्व न्यौछावर किया, जिसे सदैव याद किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि सेना के जवान केवल देश की सीमाओं की रक्षा ही नहीं करते, बल्कि वे भारत की अस्मिता के जीवंत प्रतीक हैं। उनका जीवन अनुशासन, पराक्रम और देशभक्ति की प्रेरणा देता है। उन्होंने उपस्थित युवाओं से आह्वान किया कि शहीदों के त्याग को हृदय में बसाकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें। कार्यक्रम के दौरान शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उन्होंने शहीद के परिजनों को शॉल ओढ़ाकर उनके प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि शहीद के नाम पर स्थापित यह स्मारक आने वाली पीढ़ियों को कर्तव्य, साहस और देशभक्ति का संदेश देता रहेगा। इस दौरान जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, पूर्व विधायक किशनगढ़बास रामहेत सिंह यादव, जिला अध्यक्ष महासिंह चौधरी, पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार, प्रधान कोटकासिम संता देवी, मंडल अध्यक्ष कोटकासिम सुरेंद्र जांगिड़, लक्ष्मीकांत, रामानंद, पूरण सिंह, मीरका सरपंच सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

सैनी आदर्श चतुर्थ सामूहिक विवाह सम्मेलन की नई कार्यकारिणी गठित

माता सावित्रीबाई साइलेंट लाइब्रेरी, विकास मंडल में हुई आम सभा में लिया गया निर्णय

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

गुरूवार को सैनी सभा के नेतृत्व में, माता सावित्रीबाई साइलेंट लाइब्रेरी, विकास मंडल में एक महत्वपूर्ण आम सभा का आयोजन किया गया। सभा में सैनी आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन की कार्यकारिणी का विस्तार किया गया और समाज के विकास हेतु कई निर्णय लिए गए। कार्यक्रम की शुरुआत महान विचारक एवं आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती जी की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर सैनी समाज के वरिष्ठजन, पदाधिकारी व युवाओं की गरिमा मयी उपस्थिति रही। सैनी सभा की वर्तमान कार्यकारिणी में कृष्ण सैनी (प्रधान, सैनी सभा), जंगली राम सैनी (उपप्रधान), बंसीलाल सैनी (कोषाध्यक्ष), सोमदत्त (सचिव), नवल किशोर, हीरालाल, रामनिवास उर्फ़ रामू टीलर, लक्ष्मण सैनी, मुकेश कुमार, जयपाल, सतवीर सैनी। नई विवाह समिति की कार्यकारिणी में नत्थू राम सैनी (पूर्व अध्यक्ष, विवाह समिति), कैप्टन श्योनारायण सैनी (वर्तमान अध्यक्ष, विवाह समिति), हनुमान सैनी (वरिष्ठ समाजसेवक), बलवीर सैनी (वरिष्ठ समाजसेवक), ताराचंद सैनी (वरिष्ठ समाजसेवक), तुलसी राम सैनी, मोहनलाल जी सैनी, पदमचंद जी सैनी (पूर्व सचिव, सैनी सभा), धरमचंद जी सैनी (पूर्व कानूनगो), बबली हलवाई सैनी जी, कृष्ण सैनी जी (कोषाध्यक्ष, विवाह समिति)। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अगला सैनी आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन सैनी सभा के नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा। नई गठित कार्यकारिणी विवाह आयोजन से संबंधित विस्तृत योजना तैयार करेगी। समाज के सभी सदस्य विवाह सम्मेलन के संचालन में सक्रिय सहयोग करेंगे।

केंद्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री ने विभिन्न कार्यों का किया लोकार्पण एवं उद्घाटन

केंद्रीय मंत्री ने उप स्वास्थ्य केंद्र मीरका का किया उद्घाटन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने गुरुवार को बतौर मुख्य अतिथि मीरका, मुंडावर एवं हरसौली में विभिन्न कार्यों का उद्घाटन एवं लोकार्पण किया। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री यादव ने अटल गौरव पथ योजना के तहत हरसौली स्थित संत दास जी मंदिर फटाक से हरसोली सरपंच निवास तक 2 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली सड़क एंव लॉर्ड्स कृष्णा स्कूल स्थित सड़क का लोकार्पण तथा 55 लाख रुपए की लागत से निर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र मीरका तथा सांसद निधि से 10 लाख रुपए में तैयार हुए सांस्कृतिक केंद्र का उद्घाटन भी किया गया। इसके साथ ही बजट घोषणा 2025-26 के तहत एक करोड़ 93 लाख 500 की राशि से लोक देवता श्री श्री 1008 कुंदन दास जी महाराज मंदिर एनीकट जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास तथा मंदिर परिसर में ही लाहडौद के ग्रामीणों द्वारा बनाए जा रहे हाल का शिलान्यास एवं नांगल सालिया के ग्रामीणों द्वारा बनाए गए हॉल का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि युवाओं में खेल को बढ़ावा देने और उनकी प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से इस वर्ष भी सांसद खेल उत्सव का आयोजन भव्य स्तर पर किया जा रहा है। आयोजन में करीब 50,000 युवाओं ने पंजीकरण कराया है। यह खेल उत्सव 31 अक्टूबर तक सभी विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित किया जाएगा तथा चयनित खिलाड़ियों को प्रोफेशनल ट्रेनिंग उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि खैरथल-तिजारा जिले को इंडस्ट्रियल हब के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा, जिससे युवाओं के लिए रोजगार और उद्यम के नए अवसर विकसित होंगे। साथ ही क्षेत्र में लंबे समय से बनी पानी की समस्या के स्थायी समाधान हेतु चंबल पानी सप्लाई परियोजना को प्राथमिकता दी गई है, जिसके माध्यम से आने वाले समय में घर-घर पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विकास के इस मार्ग को जनसहभागिता के साथ आगे बढ़ाया जाएगा और सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक नागरिक को मूलभूत सुविधाएं सुलभ रूप से मिलें। कार्यक्रम में जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, पूर्व विधायक किशनगढ़बास रामहेत सिंह यादव, जिला अध्यक्ष महासिंह चौधरी,अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (AIFF) अध्यक्ष कल्याण चौबे, पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार, प्रधान कोटकासिम संता देवी, उपखंड अधिकारी किशनगढ़ बास मनीष कुमार जाटव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अरविंद गेट, मंडल अध्यक्ष कोटकासिम सुरेंद्र जांगिड़, लक्ष्मीकांत, रामानंद, पूर्ण सिंह मीरका सरपंच सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

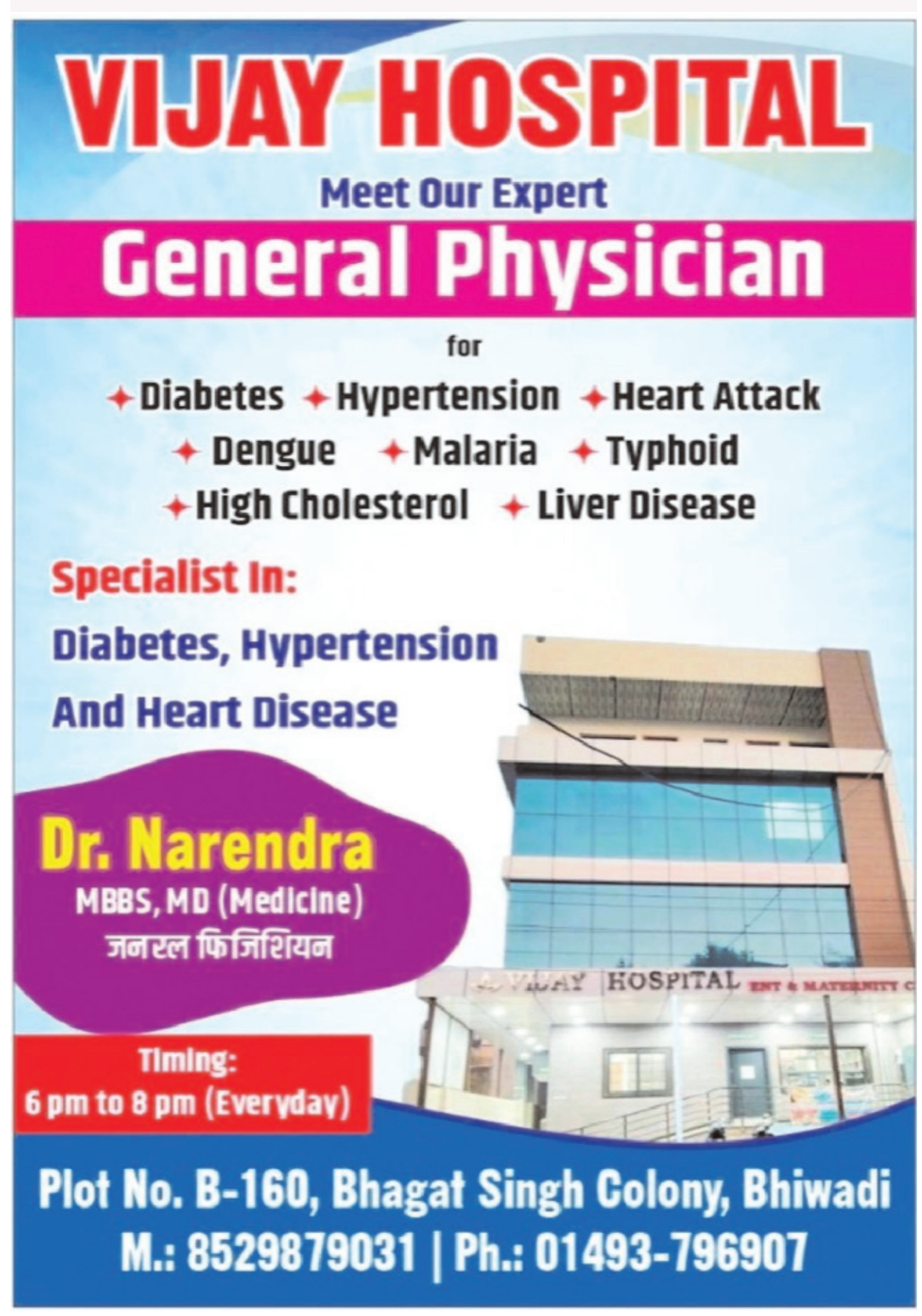

राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी थे सरदार पटेल

रमेश सर्राफ धमोरा

महात्मा गांधी ने सरदार वल्लभभाई पटेल को सरदार की उपाधि दी थी। उन्हें भारत के बिस्मार्क के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि उन्होंने भारत को एकजुट करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी। भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। भारत के स्वतंत्रता संग्राम मे उनका महत्वपूर्ण योगदान था।

सरदार वल्लभभाई पटेल स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता थे जो भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री बने। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और स्वतंत्र भारत में सभी रियासतों के एकीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जिसके लिए उन्हें लौह पुरुष भी कहा जाता है। सरदार वल्लभभाई पटेल ने भारतीय नागरिक सेवाओं आईसीएस का भारतीयकरण कर इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाएं आईएएस बनाया। अंग्रेजों की सेवा करने वालों में विश्वास भरकर उन्हें देशभक्ति की ओर मोड़ा।

स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री रहे। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोडकर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थी।

महात्मा गांधी ने सरदार वल्लभभाई पटेल को सरदार की उपाधि दी थी। उन्हें भारत के बिस्मार्क के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि उन्होंने भारत को एकजुट करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी। भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। भारत के स्वतंत्रता संग्राम मे उनका महत्वपूर्ण योगदान था।

सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 में गुजरात के नाडियाड में लेवा प ीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाड़बाई की चौथी संतान थे। सरदार पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और पेटलाद स्थित उच्च विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। लेकिन उन्होंने अधिकांश ज्ञान स्वाध्याय से ही अर्जित किया। 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया। 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। जिससे उन्हें वकालत करने की अनुमति मिली। सरदार पटेल के पांच भाई व एक बहन थी। 1908 में पटेल की पत्नी की मृत्यु हो गई। उस समय उनके एक पुत्र और एक पुत्री थी। इसके बाद उन्होंने विधुर जीवन व्यतीत किया। वकालत के पेशे में तरक्की करने के लिए कृतसंकल्प पटेल ने अध्ययन के लिए

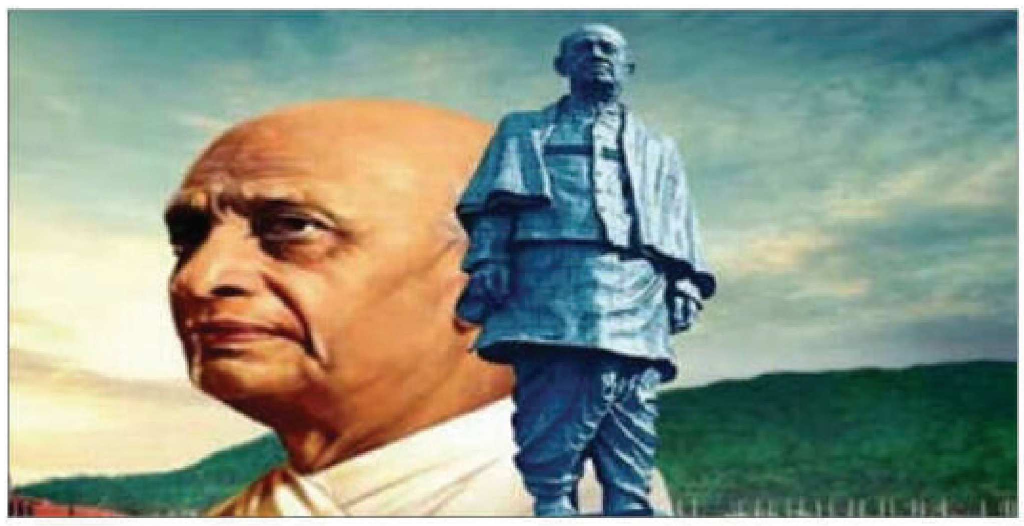

अगस्त 1910 में लंदन की यात्रा की।

सरदार पटेल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के तीन बार उम्मीदवार बने मगर तीनो ही बार महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप कर पण्डित जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस का अध्यक्ष बनवा दिया था। 1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान पटेल को तीन महीने की जेल हुई। मार्च 1931 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन की अध्यक्षता की। जनवरी 1932 में उन्हें फिर गिरफ्तार कर लिया गया। जुलाई 1934 में वह रिहा हुए और 1937 के चुनावों में उन्होंने कांग्रेस पार्टी के संगठन को व्यवस्थित किया।

अक्टूबर 1940 में कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ पटेल भी गिरफ्तार हुए और अगस्त 1941 में रिहा हुए। 1945-1946 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए सरदार पटेल प्रमुख उम्मीदवार थे। लेकिन महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप करके जवाहरलाल नेहरू को अध्यक्ष बनवा दिया। कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में नेहरू को ब्रिटिश वाइसरॉय ने अंतरिम सरकार के गठन के लिए आमंत्रित किया। इस प्रकार यदि घटनाक्रम सामान्य रहता तो सरदार पटेल भारत के पहले प्रधानमंत्री होते।

गृहमंत्री बनने के बाद भारतीय रियासतों के विलय की जिम्मेदारी सरदार पटेल को ही सौंपी गई थी। उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए562 छोटी-बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलीनीकरण करके भारतीय एकता का निर्माण किया। विश्व के इतिहास में एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं हुआ जिसने इतनी बड़ी संख्या में राज्यों का एकीकरण करने का साहस किया हो।देशी रियासतों का विलय स्वतंत्र भारत की पहली उपलब्धि थी और निर्विवाद रूप से पटेल का इसमें विशेष योगदान था। नीतिगत दृढ़ता के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार और लौह पुरुष की उपाधि दी थी। वल्लभ भाई पटेल ने आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया।

जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब वहां की प्रजा ने विरोध कर दिया तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और इस प्रकार जूनागढ भी भारत में मिला लिया गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। निःसंदेह सरदार पटेल द्वारा 562 रियासतों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक आ र्य था। भारत की यह रक्तहीन क्रांति थी।

लक्षद्वीप समूह को भारत में मिलाने में भी पटेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। इस क्षेत्र के लोग देश की मुख्यधारा से कटे हुए थे और उन्हें भारत की आजादी की जानकारी 15 अगस्त 1947 के कई दिनों बाद मिली। हालांकि यह क्षेत्र पाकिस्तान के नजदीक नहीं था लेकिन पटेल को लगता था कि इस पर पाकिस्तान दावा कर सकता है। इसलिए ऐसी किसी भी स्थिति को टालने के लिए पटेल ने लक्षद्वीप में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए भारतीय नौसेना का एक जहाज भेजा। इसके कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तानी नौसेना के जहाज लक्षद्वीप के पास मंडराते देखे गए। लेकिन वहां भारत का झंडा लहराते देख उन्हें वापस लौटना पड़ा।

जब चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखा कि वे तिब्बत को चीन का अंग मान लें तो पटेल ने नेहरू से आग्रह किया कि वे तिब्बत पर चीन का प्रभुत्व कतई न स्वीकारें अन्यथा चीन भारत के लिए खतरनाक सिद्ध होगा। जवाहरलाल नेहरू नहीं माने बस इसी भूल के कारण हमें चीन से पिटना पड़ा और चीन ने हमारी सीमा की भूमि पर कब्जा कर लिया। सरदार पटेल के ऐतिहासिक कार्यों में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निमाण, गांधी स्मारक निधि की स्थापना, कमला नेहरू अस्पताल की रूपरेखा आदि कार्य शामिल हैं।

सरदार पटेल का निधन 15 दिसम्बर 1950 को मुम्बई में हुआ था। सरदार पटेल को उनकी मृत्यु के 41 साल बाद 1991 में मरणोपरांत भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न दिया गया जो उन्हे बहुत पहले मिलना चाहिये था। वर्ष 2014 में केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती (31 अक्टूबर) को देश भर में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाना शुरू कर उनको सम्मनित किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ वर्ष पूर्व गुजरात के नर्मदा जिले में सरदार पटेल के स्मारक का उद्घाटन किया था। इसका नाम एकता की मूर्ति (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) रखा गया है। यह मूर्ति स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से दुगनी ऊंचाई 182 मीटर ऊंची बनाई गयी है। इस प्रतिमा को केवडिया के निकट साधुबेट नामक एक छोटे च ानी द्वीप में सरदार सरोवर बांध के सामने नर्मदा नदी के मध्य में स्थापित किया गया है। सरदार वल्लभ भाई पटेल की यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

सरदार पटेल की इस प्रतिमा को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनका व्यक्तित्व कितना विशाल था। सरदार यानि नेतृत्व करने का गुण तो उनमें जन्मजात था ही। संघर्षो में तपकर उनका मनोबल लौहे की तरह दृढ़ हो गया था। अपनी इसी इच्छा शक्ति व दृढ़ मनोबल के दम पर उन्होने देश की आजादी के बाद एक भारत बनाने का ऐसा मुश्किल काम कर दिखाया जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। भारत के राजनीतिक इतिहास में सरदार पटेल के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। देश की आजादी के संघर्ष में उन्होने जितना योगदान दिया उससे ज्यादा योगदान उन्होने स्वतंत्र भारत को एक करने में दिया। पटेल राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी व नये भारत के निमार्ता थे। देश के विकास में सरदार वल्लभभाई पटेल के महत्व को सैदव याद रखा जायेगा।

संपादकीय

हिमाचली बंदे में है दम

मानव विकास के हर आयाम पर हिमाचल ने तरक्की के तमाम क्षेत्र चुन लिए और यही वजह है कि राष्ट्रीय सूचकांक की सतह से कहीं ऊपर हिमाचली बंदे में दम है । भौगोलिक दुरुहता को पाटते हुए हिमाचल ने अपने नागरिकों को राष्ट्रीय पैमानों में अव्वल किया, तो यह मंजर कई सरकारों के सतत प्रयास की निशानी भी है। प्रदेश साक्षरता दर में 99.2 प्रतिशत के शिखर पर विराजमान है, तो यह स्थिति लंबे संघर्ष और सीधे मुकाम की है। गरीबी दर का घटना पहाड़ के जीवन को नई महत्त्वाकांक्षा में गूंथना है और इसीलिए अब सोचा यह जा रहा है कि घोषित रूप से हिमाचल को किसी भी प्रकार की गरीबी से सौ फीसदी मुक्त कर दिया जाए। यह इसलिए भी कि प्रति व्यक्ति आय 9.6 प्रति दर से वृद्धि करके राष्ट्रीय औसत से कहीं ऊपर 257212 रुपए तक पहुंच गई है। नवजात मृत्यु दर गिरी है, तो सामाजिक सुरक्षा के पैमानों में यह प्रदेश एक नगीना बन गया है। देश में मानव विकास की पांचवीं पायदान पर पहुंचना यूं तो श्रेष्ठता की कहानी है, लेकिन इतनी सारी उपलब्धियों के बावजूद प्रदेश की प्रगति के आईनों में कुछ जख्मों का दर्द झलकता है। राष्ट्र के कई पथ, कई आकाश और कई प्रयास अभी भी हिमाचल को छोटा करके आंकते हैं। राष्ट्रीय संस्थानों की शिनाख्त में अगर हिस्सेदारी की मैरिट बने, तो इनकी स्थापना से नजरिया बदलेगा और प्रतिस्पर्धा में अवसर सामने आएंगे। बेशक हम मानव विकास की पांचवीं पायदान पर हैं, लेकिन क्या हम राष्ट्रीय अवसर प्राप्ति में भी पांचवें हैं। हम तो सेना भर्ती के कोटे में भी इसलिए पिछड़ जाते हैं, क्योंकि देश को बड़े राज्यों की जनसंख्या का आधार पुख्ता करना है। हम मैट्रो शहरों से ऊपर मानव विकास को रूपांतरित करते हैं, लेकिन केंद्र की चिंताओं में वित्त पोषण की जागीर को हम नहीं छू पाते। एक सैंपल के लिहाज से हमारा गुणात्मक पक्ष हमें गौरवान्वित करता है, लेकिन मानव विकास के आंकड़े आर्थिक विकास में परिवर्तित नहीं होते। दरअसल यह राज्य उपभोक्तावाद के रूप में प्रति व्यक्ति खरीद फरोख्त में अव्वल हो रहा है। इसीलिए मोबाइल खरीद हो या इंटरनेट पर उतरती रील हो, हम हिमाचली राष्ट्र के तमाम आंकड़ों को डाउनलोड करके भी अपनी जेब और रोजगार के अवसरों से महरूम रहते हैं।

चिंतन-मनन

मरने के बाद कहां जाता है इंसान

सभी धर्मों में पुनर्जन्म की बात कही गयी है, यानी एक शरीर को छोड़ने के बाद इंसान दूसरे शरीर में प्रवेश करता है। लेकिन मृत्यु के बाद से पुनर्जन्म लेने तक जीव कहां रहती है यह एक बड़ा सवाल है। भगवान श्री कृष्ण ने भी गीता में कहा है कि आत्मा न तो जन्म लेती है और न मरती है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर जीव के मरने के बाद आत्मा कहां जाती है। इसका उत्तर आप जरूर जानना चाहते होंगे। 18 पुराणों में से गरूड़ पुराण ही एक ऐसा पुराण है जिसमें इस प्रश्न का उत्तर दिया गया है। इस पुराण में कहा गया है कि मृत्यु के बाद जीवात्मा को शरीर से निकाल कर ले जाने के लिए दो यमदूत आते हैं। जो व्यक्ति अपने जीवन काल में अच्छे कर्म करते हैं उनकी आत्मा शरीर से आसानी से निकल जाती है। जिनका अपने शरीर से मोह नहीं जाता है और जीवन काल में अच्छे कर्म नहीं करते हैं उन्हें यमदूत जबरदस्ती खींच कर अपने साथ ले जाते हैं। शरीर से निकलने के बाद आत्मा अंगूठे के आकार का बन जाता है। यह दिखने में उसी प्रकार का होता है जैसा मृत व्यक्ति दिखने में होता है। इस आत्मा को लेकर यमदूत यमराज के पास जाते हैं। यहां उसे 24 घंटे रखा जाता है और जीवन काल में उसके द्वारा किये गये अच्छे बुरे कर्मों को दिखाया जाता है। इसके बाद आत्मा को पुनः उसी स्थान पर लाकर रख दिया जाता है जहां से यमदूत उसे लेकर जाते हैं। 13 दिनों तक इस स्थान पर रहकर आत्मा अपने शरीर का अंतिम संस्कार देखता है। इसके बाद यमदूत उसे अपने साथ लेकर पुनः यमलोक की ओर चलते हैं। इस रास्ते में आत्मा को यम की भयानक नगरी के दर्शन कराये जाते हैं। इस रास्ते में आत्मा को कई प्रकार की भयानक यतानाएं सहनी पड़ती है। एक साल तक इस रास्ते में चलते हुए जीवात्मा यमलोक पहुंचती है। यहां यमराज व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार नर्क, स्वर्ग अथवा दूसरी योनियों भेजते हैं। यहीं पर तय होता है कि व्यक्ति को दूसरा जन्म कब मिलेगा। जो लोग धर्मात्मा होते हैं उन्हें यमलोक की यात्रा नहीं करनी पड़ती है। ऐसे लोगों के लिए विमान आता है जिसमें बैठकर आत्मा विष्णु लोक चली जाती है। जिन्हें विष्णु लोक में स्थान मिल जाता है उन्हें पुनः जन्म नहीं लेना पड़ता है।

शहर जहां सौन्दर्य, संभावनाएं एवं संवेदनाएं बिछी हो

ललित गर्ग

विश्व शहर दिवस हर साल 31 अक्टूबर को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य शहरीकरण में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की रुचि बढ़ाना, शहरीकरण की चुनौतियों का समाधान करने में देशों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना और सतत विश्व नगर योजना को अधिक मानवीय, अपराधमुक्त एवं पर्यावरण संपोषक बनाना है। यह दिवस पहली बार 2014 में मनाया गया था। इसका उद्देश्य शहरीकरण के रुझानों, चुनौतियों और सतत शहरी विकास के दृष्टिकोण के बारे में अंतर्राष्ट्रीय जागरूकता बढ़ाना, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना और समतामूलक, समृद्ध, टिकाऊ और समावेशी शहरों के निर्माण के वैश्विक प्रयासों में योगदान देना है जो अपने समुदायों को बेहतर रहने का वातावरण और जीवन की गुणवत्ता प्रदान करते हैं। इस वर्ष विश्व शहर दिवस का वैश्विक आयोजन कोलंबिया के बोगोटा में 'जन-केंद्रित स्मार्ट सिटीज' थीम पर आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर यह प्रदर्शित किया जाएगा कि डेटा-आधारित निर्णय लेने, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग शहरी जीवन को बेहतर बनाने और वर्तमान झटकों व संकटों से उबरने के लिए कैसे किया जा सकता है। इस अवसर पर जन-केंद्रित स्मार्ट सिटी पहलों को बढ़ावा देने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा। नि त ही शहर उस उम्मीद का माध्यम बने, जहां सौन्दर्य एवं संवेदनाएं अनेक रूपों में बिछी हो, जहां कुछ नया और कुछ पुराना, पर सब मनमोहक हो। इस वर्ष का विषय इस बढ़ती मान्यता को दर्शाता है कि डिजिटल तकनीकों की परिवर्तनकारी शक्ति वैश्विक स्तर पर शहरी जीवन को नया रूप दे रही है और शहरों और मानव बस्तियों के डिजाइन, नियोजन, प्रबंधन और संचालन के तरीकों को बेहतर बनाने के लिए व्यापक अवसर प्रदान कर रही है। अभिनव विकास, जनोन्मुखी स्मार्ट शहर का निर्माण केन्द्रित थीम शहरी और डिजिटल दोनों तरह के बदलावों से चि त इस युग में, शहर निवासियों को बेहतर सेवाएँ प्रदान करने और महत्वपूर्ण शहरी चुनौतियों और अवसरों का समाधान करने के लिए डिजिटल तकनीकी समाधानों और डेटा को तेजी से अपनाने पर बल देती हैं। 'सशक्त समुदाय, समृद्ध शहर' को बल देते हुए यह दिवस समुदायों को जागरूक, सहयोगी और आत्मनिर्भर करने की पहल है ताकि शहर वास्तव में विकसित, संस्कृतिमय और समृद्ध बन सके। आज जब पूरी दुनिया तीव्र गति से शहरीकरण की ओर बढ़ रही है, तब यह दिवस आत्ममंथन का अवसर बन गया है कि क्या हमारे शहर केवल कंक्रीट की इमारतों और चकाचौंध का विस्तार बन रहे हैं या उनमें मानवीय संवेदनाओं, संस्कृति, पर्यावरणीय संतुलन और सामाजिक समरसता का पोषण भी हो रहा है। भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत, विकसित भारत को विकसित करते हुए शहरीकरण का एक नया मॉडल प्रस्तुत हुआ है, जिसने शहरों के विकास को केवल भौतिक संरचनाओं तक सीमित न रखकर जीवन मूल्यों और नागरिक सहभागिता से जोड़ा है। अमृत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वस्थ भारत मिशन, स्मार्ट शहर योजना और स्वच्छ भारत अभियान जैसी योजनाओं ने शहरों के ढांचे में नई चेतना का संचार किया है। इन योजनाओं ने यह साबित किया है कि जब सरकार की नीतियों में जनता की भागीदारी और पारदर्शिता जुड़ती है तो विकास केवल आंकड़ों में नहीं, व्यवहार में भी दिखने लगता है। शहरीकरण का अर्थ केवल ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़के और चमकदार बाजार नहीं है, बल्कि यह एक जीवंत सामाजिक प्रक्रिया है जिसमें जीवन स्तर, विचार और व्यवहार की गुणवत्ता निहित होती है। शहरों ने मनुष्य को रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुविधा दी है, लेकिन इसी के साथ प्रदूषण, भीड़, तनाव, अपराध, असमानता और मानवीय रिश्तों की दूरी भी दी है। हर बड़ा शहर आज सांस लेने के लिए हवा, पीने के लिए स्वच्छ पानी और जीने के लिए शांति तरस रहा है। विकास के नाम पर प्रकृति का ह्रास हो रहा है और भौतिक प्रगति के साथ मानसिक थकान बढ़ रही है। भारत के प्राचीन नगर जैसे काशी, उज्जैन, पुष्कर, मथुरा और अयोध्या केवल व्यापारिक या राजनीतिक केंद्र नहीं थे, वे संस्कृति, अध्यात्म और सह-अस्तित्व की जीवंत प्रयोगशालाएं थे। वहां नगर का अर्थ केवल रहने की जगह नहीं, जीने की कला था। आज के नगर यदि इन मूल्यों को फिर से अपनाएं तो वे केवल आधुनिक ही नहीं, मानवीय भी बन सकते हैं। प मि के देशों में शहरीकरण तकनीकी दक्षता और सुविधाओं की दृष्टि से आगे है, पर वहां मानवीय ऊष्मा और आत्मीयता का अभाव है। भारत यदि अपने शहरीकरण में मानवता, पर्यावरण और संस्कृति का संगम बनाए रखे तो वह पूरी दुनिया के लिए एक आदर्श प्रस्तुत कर सकता है। शहर तब सचमुच जीवंत बनेंगे जब उनमें रहने वाले लोग पर्यावरण के प्रति संवेदनशील, सामाजिक रूप से जागरूक और मानवीय दृष्टि से समर्पित होंगे। प्रदूषण को रोकना, हरियाली बढ़ाना, स्वच्छता को जीवनचर्या बनाना, झुग्गी बस्तियों को सम्मानजनक आवास देना, जनसहभागिता और नागरिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना ही वास्तविक शहरीकरण का मार्ग है। भारत के शहर आज तेजी से बदल रहे हैं। मेट्रो, ऊँची इमारतें, चौड़ी सड़कों और चमकदार मॉलों ने इनका नया चेहरा गढ़ दिया है। यह परिवर्तन विकास की चमक दिखाता है, पर इसके भीतर एक गहरी पीड़ा भी छिपी है, कहीं न कहीं शहरों की आत्मा, उनकी पहचान, उनकी गर्माहट खोती जा रही है। जो गलियां कभी अपनत्व और रिश्तों की खुशबू से महकती थीं, वे अब भागदौड़, भीड़ और उदासीनता का प्रतीक बन गई हैं। स्वतंत्रता के बाद भारत ने आधुनिकता की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए, पर इस भौतिक विकास की दौड़ में मानवीय संवेदनाएं और सामाजिक संबंध पीछे छूट गए। शहरों का विस्तार अब मनुष्य की जरूरतों के बजाय बाजार की मांगों के अनुसार हो रहा है। नई कॉलोनियाँ और ऊँची इमारतें पुराने मोहल्लों की जगह ले रही हैं, पर उनके भीतर वह आत्मीयता एवं संवेदनशीलता नहीं जो कभी लोगों के दिलों को जोड़ती थी।

इस वर्ष नोबेल पुरस्कार प्राप्त सृजनात्मक विनाश के सिद्धांत की जड़ें हिंदू सनातन संस्कृति में हैं

प्रहलाद सबनानी

हिंदू सनातन संस्कृति से सम्बंधित वेदों, पुराणों एवं धार्मिक ग्रंथों में यह वर्णन मिलता है कि मानव जीवन की प्राप्ति, 84 लाख योनियों के चक्र के प ात प्राप्त होती है। साथ ही, यह भी माना जाता है कि मानव जीवन की प्राप्ति पिछले जन्मों में किए गए कर्मों को भोगने, भविष्य का निर्माण करने एवं 84 लाख योनियों के चक्र से बाहर निकलकर मोक्ष की प्राप्ति करने के लक्ष्य को हासिल करने के अवसर के रूप में मिलती है। अब, यह इस मानव जीवन में किए गए कर्मों पर निर्भर करता है कि हमें मोक्ष की प्राप्ति होगी अथवा 84 लाख योनियों के चक्र में एक बार पुनः फंसे रहेंगे। यदि हम अपने कर्मों को लगातार धमार्नुसार करते हैं तो मोक्ष की प्राप्ति सम्भव है। इसी आधार पर ही यह कहा भी जाता है कि मोक्ष प्राप्ति के उद्देश्य से ही देवता भी मानव जीवन को प्राप्त करने की कामना करते हैं।

मोक्ष प्राप्ति के उद्देश्य से मिले इस मानव जीवन को संवारने की दृष्टि से विद्वान संत महात्मा उपदेश देते हैं कि काम एवं अर्थ से सम्बंधित की जाने वाली गतिविधियों को धर्म आधारित होना चाहिए ताकि अंत में मोक्ष की प्राप्ति सम्भव हो सके। अतः काम एवं अर्थ को धर्म एवं मोक्ष के बीच स्थान दिया गया है। धर्म का आशय यहां प्रभु परमात्मा की भक्ति अथवा पंथ (रिलीजन) से कतई नहीं हैं बल्कि धर्म से आश्य यह है कि किसी भी प्रकार के कार्य को सम्पन्न करने में इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि किए जाने वाले कार्य से किसी भी जीव जंतु अथवा मानव की हानि नहीं हो इसके ठीक विपरीत हमारे द्वारा किए जाने वाले कार्यों से समाजजनों की भलाई हो। अर्थात, निर्धारित नियमों का अनुपलान करते हुए व्यक्तिगत एवं सामाजिक कार्यों को सम्पन्न करना ही हमारा धर्म है और यदि हम लगातार धर्म के अनुसार कार्य करते रहेंगे तो मोक्ष की प्राप्ति सम्भव हो सकेगी। इस प्रकार, हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार पुनर्जन्म में विश्वास किया जाता है। किसी भी प्राणी का अहित करना तो दूर, बल्कि इसके बारे में कभी सोचा भी नहीं जाता है। समस्त जीवों में प्रभु परमात्मा का वास माना जाता है और सभी जीवों में एक ही आत्मा का निवास मानकर आपस में एकाकार माना जाता है। 'वसुधैव कुटुम्बकम', 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' 'सर्वे भवंतु सुखिनः' की भावना का जन्म भी उक्त सिद्धांत के आधार पर ही हुआ है। प्रभु परमात्मा द्वारा निर्धारित की गई उम्र को प्राप्त करने के प ात इस जीव को अपना मानुष चोला त्यागकर, इस जीवन में किए गए कर्मों के आधार पर नयी योनि में जन्म लेना होता है और इसे ही सृजनात्मक विनाश की संज्ञा दी जा सकती है।

हाल ही में, वर्ष 2025 के लिए अर्थशास्त्र विषय में नोबेल पुरस्कार की घोषणा की गई है। इस वर्ष यह पुरस्कार श्री जोएल मोक्यर, फिलिप एगियन और श्री पीटर हाविट को 'सृजनात्मक विनाश (क्रीएटिव डेस्ट्रक्शन)' एवं 'नवाचार संचालित आर्थिक संवृद्धि की व्याख्या' विषय पर शोद्ध करने के लिए संयुक्त रूप से दिया गया है।

श्री फिलिप एगियन और पीटर हाविट ने सृजनात्मक विनाश के माध्यम से सतत संवृद्धि के सिद्धांत साझा किए हैं। आपने सृजनात्मक विनाश की व्याख्या करने के लिए एक गणितीय मॉडल तैयार किया है। सृजनात्मक विनाश के अनुसार, जब बाजार में नए और बेहतर उत्पाद आते हैं, तो पुराने उत्पाद बेचने वाली कम्पनियां अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता खो देती हैं या बाजार से बाहर हो जाती है। इसे सृजनात्मक कहा जाता है, क्योंकि यह नवाचार पर आधरित है। यद्यपि यह विनाशकारी भी हैं, क्योंकि पुराने उत्पाद अप्रचलित हो जाते हैं और अपना वाणिज्यिक मूल्य खो देते हैं। इस प्रकार बाजार में नई इकाईयों का पदार्पण होता है एवं पुरानी इकाईयों का विनाश हो जाता है। इसे ही सृजनात्मक विनाश की संज्ञा दी गई है।

ऐसा आभास हो रहा है कि उक्त सिद्धांत की जड़ें हिंदू सनातन संस्कृति से ही निकलती हैं। जिस किसी जीव ने इस धरा पर जन्म लिया है उसे एक दिन तो अपने जीवन का परित्याग करना ही है। मानव जीवन की प्राप्ति भी कुछ उद्देश्यों को पूर्ण करने के लिए होती है, उन उद्देश्यों की प्राप्ति के प ात इस मानव जीवन को छोड़ना ही होता है। उसी प्रकार, सृजनात्मक विनाश के सिद्धांत में भी एक समय सीमा के प ात उत्पादों के विनिर्माण हेतु बाजार में जब नयी पीढ़ी की इकाईयों का पदार्पण होता है तो पुरानी पीढ़ी की विनिर्माण इकाईयों को बाजार से बाहर हो जाना होता है।

हिंदू सनातन संस्कृति का अध्ययन करने पर ध्यान में आता है कि स्व-सृजक प्रक्रिया एवं रचनात्मक विनाश का सिद्धांत तो भारतीय संस्कृति में पूर्व से ही अंतर्निहित है। भगवान शिव जब तांडव नृत्य करते हैं तो बुरे विचारों का नाश होकर नए विचार जन्म लेते हैं जो प्रकृति का सृजन कर प्रकृति को नई ऊंचाई पर ले जाने में सहायक होते हैं। भगवान शिव भी तांडव नृत्य इस सिद्धांत के आधार पर करते हैं ताकि पृथ्वी पर आवश्यक विनाश हो सके एवं नयी प्रकृति का पुनर्निर्माण हो सके। 'शिव तांडव के सृजनात्मक विनाश सम्बंधी सिद्धांत' को ही अर्थशास्त्र में लागू करते हुए कहा गया है कि प्रत्येक उत्पादन इकाई की अपनी एक उम्र तय होती है और इस खंडकाल में सामान्यतः नवाचार होने के चलते पुरानी इकाईयां बंद हो जाती हैं और यहां यह कहा गया है कि इन पुरानी इकाईयों को नष्ट होने देना चाहिए ताकि नवाचार के साथ नई उत्पादन इकाईयों को स्थापित कराया जा सके। यह सिद्धांत शिव तांडव की तरह विभिन्न क्षेत्रों में लगातार चलता रहता है।

श्री जोएल मोक्यर ने तकनीकी प्रगति के माध्यम से सतत आर्थिक संवृद्धि के लिए आवश्यक पूर्व शर्तों की पहचान की है और उन्होंने उन तंत्रों का वर्णन किया है जो वैज्ञानिक सफलताओं और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों को एक दूसरे को बढ़ाने तथा एक स्व-सृजक प्रक्रिया बनाने में सक्षम बनाते हैं। उन्होंने सतत संवृद्धि के लिए आवश्यक कारकों की पहचान की हैं। इनमें शामिल हैं - उपयोगी ज्ञान का सतत प्रवाह - जिसमें (1) प्रस्तावात्मक ज्ञान (प्रोपोजीशनल नोलेज), जो दर्शाता है कि कोई व्यक्ति काम क्यों करता है,(2) निदेर्शात्मक ज्ञान (प्रेसक्रिप्टिव नोलेज) जो वर्णित करता है कि किसी व्यक्ति द्वारा काम करने के लिए क्या आवश्यक है, शामिल है। इसी प्रकार वाणिज्यिक ज्ञान द्वारा विचारों को वाणिज्यिक उत्पादों में बदला जाता है और इस परिवर्तन के प्रति सामाजिक खुलापन होना चाहिए जो पुराने उत्पादों के स्थान पर नए उत्पादों को स्वीकार करने की इच्छा रखते हों।

इसी प्रकार स्व-सृजक प्रक्रिया के अंतर्गत यह कहा जा सकता है कि हिंदू सनातन संस्कृति में मनुष्य का इस धरा पर जन्म 84 लाख योनियों से अपने आप को मुक्त करने के उद्देश्य से होता है अतः उसे ज्ञान रहता है कि उसे किस प्रकार के कर्म इस मानुष जीवन में करना हैं और क्यों करना है। इन निर्धारित कर्मों को करते हुए मनुष्य मोक्ष को प्राप्त करने हेतु सदैव ही प्रयासरत रहता है। इस ही स्व-सृजक प्रक्रिया कहा जा सकता है।

(सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

निवर्तमान एसडीएम चौधरी का विदाई समारोह आज

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

जिला अभिभाषक संघ के तत्वावधान में शुक्रवार को प्रातः 11 बजे आजाद चौक स्थित उपखंड कार्यालय परिसर में निवर्तमान एसडीएम बृजेश चौधरी का विदाई समारोह आयोजित होगा। इसी अवसर पर नवपदस्थापित एसडीएम रामावतार मीणा का स्वागत किया जाएगा। संघ के अध्यक्ष एडवोकेट उदय सिंह तंवर ने बताया कि अभिभाषक संघ के सदस्य, प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्य नागरिक कार्यक्रम में शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि बृजेश चौधरी का हाल ही में झालावाड़ के अकलेरा में स्थानांतरण हुआ है, जबकि कोटा के कनवास से रामावतार मीणा को कोटपूतली में नया एसडीएम नियुक्त किया गया है।

वर्ष 2026 की परीक्षा हेतु ऑनलाईन फॉर्म की अंतिम तिथि 13 नवम्बर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के संघटक एवं संबद्ध महाविद्यालयों में सत्र 2025-26 के स्नातक प्रथम सेमेस्टर के नियमित तथा प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर के स्वयंपाठी विद्यार्थियों के लिए वर्ष 2026 की परीक्षा के ऑनलाईन फॉर्म भरने की प्रक्रिया 29 अक्टूबर से शुरू हो गई है। अंतिम तिथि 13 नवम्बर तय की गई है। राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. के. सिंह ने विद्यार्थियों से कहा है कि अंतिम तिथि का इंतजार न करें और समय रहते फॉर्म भरें। अंतिम तिथि के बाद फॉर्म स्वीकार नहीं किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि केवल वही विषय परीक्षा फॉर्म में भरें जो महाविद्यालय में संचालित हैं। फॉर्म जमा करने से पहले समिति से जांच करवाना अनिवार्य रहेगा।

भवन-सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जांच के लिए चलेगा सघन निरीक्षण अभियान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर प्रदेश में भवन और सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जांच के लिए 1 नवंबर से 30 नवंबर तक 'सघन निरीक्षण अभियान' चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करना है। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने गुरुवार को सभी जिला कलक्टर्स को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से निर्देश दिए कि अभियान की सघन मॉनिटरिंग की जाए। अभियान के तहत सार्वजनिक निर्माण, नगरीय विकास, स्वायत्त शासन और समग्र शिक्षा अभियान से संबंधित कार्यों की जांच होगी। इसके लिए प्रत्येक जिले में तीन समितियां गठित की जाएंगी, जो निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर रिपोर्ट जिला कलक्टर को देंगी। कलक्टर अपनी अनुशंसा सहित रिपोर्ट संबंधित विभाग को भेजेंगे। सरकार का उद्देश्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता संबंधी शिकायतों पर रोक लगाना और जवाबदेही तय करना है। निरीक्षण समितियां भवनों व सड़कों के निर्माण और मरम्मत कार्यों की स्थल पर जांच करेंगी।

पीएचसी किशोरी में मासिक सेक्टर बैठक में चिकित्सा सेवाओं पर हुई चर्चा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा थानागाजी

ब्लॉक क्षेत्र के गांव किशोरी स्थित राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गुरुवार को मासिक सेक्टर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पीएचसी प्रभारी चिकित्सक डॉ. रामकिशन गुर्जर ने की। बैठक में पीएचसी किशोरी सहित सैक्टर के सभी उपकेंद्रों से एएनएम, सीएचओ, एलएचवी, प्रसाविका और आशा सहयोगिनियां उपस्थित रहीं। बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए प्रभारी चिकित्सक ने एएनसी पंजीकरण, संस्थागत प्रसव, परिवार कल्याण कार्यक्रम, आयुष्मान भारत कार्ड, एनीमिया, पूर्व टीकाकरण कार्यक्रम, मातृ-शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि बदलते मौसम में फैल रही मौसमी बीमारियों के प्रति जागरूकता जरूरी है। प्रभारी चिकित्सक रामकिशन गुर्जर ने उपस्थित सभी कार्मिकों को कार्य में सुधार के निर्देश देते हुए राजस्थान सरकार की प्रमुख योजनाओं—जननी सुरक्षा योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना, मां वाउचर योजना, शक्ति दिवस, निशुल्क दवा एवं जांच योजना, और 100 दिवस टीबी अभियान—की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हर एएनएम और आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर टीबी स्क्रीनिंग करें और संदिग्ध मामलों के सैंपल पीएचसी पर भेजें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि मिसिंग डिलीवरी, मिसिंग टीकाकरण, लाडो योजना की दूसरी किश्त, और गर्भवती महिलाओं को निर्धारित तिथि पर आयरन इंजेक्शन लगाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, पीएचसी किशोरी क्षेत्र में अधिकाधिक संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में पर्यवेक्षक दीपक शर्मा, सीएचओ अजय शर्मा व मनन शर्मा, कृष्ण जैमन, एलएचवी राजवंती, एएनएम गोविंदी मीना, सुनीता मीना, संजू, प्रीति शर्मा, रचना मीना, फार्मासिस्ट विक्की योगी, प्रसाविकाएं तथा सभी आशा सहयोगिनियां मौजूद रहीं।

31 अक्टूबर, 1 नवंबर को यहां लगाए जाएंगे शहरी सेवा शिविर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा,

ग्रामीण क्षेत्र में लग रहे ग्रामीण सेवा शिविर के तहत 31 अक्टूबर को उपखंड मुंडावर की ग्राम पंचायत बडली ,रूंध में, इसी प्रकार 1 नवंबर को उपखंड मुंडावर की ग्राम पंचायत बहरोज,नंगली ओझा में शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

हाईवे पर ट्रेलर और कंटेनर की भिड़ंत में चालक गंभीर घायल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नीमराणा

दिल्ली-जयपुर हाईवे की सर्विस लेन पर गुरुवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में ट्रेलर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा नीमराणा थाना क्षेत्र में सुबह करीब 10 बजे हुआ, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दिल्ली से जयपुर की ओर जा रहा एक खाली ट्रेलर और विपरीत दिशा से आ रहा कंटेनर अचानक आमने-सामने टकरा गए। बताया जा रहा है कि दोनों वाहनों के बीच अचानक असमंजस की स्थिति बनने से यह भिड़ंत हुई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रेलर का आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। थाना प्रभारी राजेश मीणा ने बताया कि हादसे में ट्रेलर चालक रामदयाल (50) पुत्र प्रहलाद सिंह, निवासी कांसली, तहसील कोटपूतली गंभीर रूप से घायल हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायल चालक को तुरंत सचखंड अस्पताल नीमराणा पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार चालक का पैर फैक्चर हुआ है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार ट्रेलर गाजियाबाद से रोड़ी खाली कर कोटपूतली लौट रहा था। भिड़ंत के बाद हाईवे की सर्विस लेन पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पुलिस ने क्रेन की मदद से दोनों वाहनों को सड़क किनारे हटवाकर यातायात सुचारु कराया।

मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 4 नवंबर से

घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ, 4 दिसंबर तक होगा ईएफ वितरण व संग्रहण कार्य

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के द्वितीय चरण की शुरुआत 4 नवंबर से होगी। इस दौरान बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क करेंगे और परिगणना प्रपत्र (ईएफ) का वितरण एवं संग्रहण 4 दिसंबर तक किया जाएगा। इस संबंध में शुक्रवार को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी ने जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में विस्तृत जानकारी दी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को अद्यतन, शुद्ध और त्रुटिरहित बनाना है ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई भी अपात्र नाम शामिल न हो। उन्होंने बताया कि इस अभियान में वर्ष 2002 की मतदाता सूचियों के आधार पर निर्वाचक मैपिंग की जा रही है, जिसमें अब तक राज्य स्तर पर 70 प्रतिशत से अधिक कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने बताया कि निर्वाचन विभाग द्वारा प्रत्येक मतदाता के लिए परिगणना प्रपत्र तैयार किए जा रहे हैं, जिनमें मतदाता का नाम, पता, विधानसभा क्षेत्र, भाग संख्या और पुरानी फोटो पूर्व मुद्रित होगी। मतदाता को इसमें अपनी नवीनतम रंगीन फोटो चिपकानी होगी। बीएलओ प्रत्येक मतदाता से संपर्क कर प्रपत्र भरने में सहायता करेंगे और तीन बार घर-घर जाएंगे। मतदाता चाहें तो इसे ऑनलाइन भी भर सकते हैं। निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि परिगणना चरण में किसी भी दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी। सभी भरे हुए प्रपत्र सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी (एईआरओ) के माध्यम से एकत्रित किए जाएंगे। गणना पूरी होने के बाद यदि किसी मतदाता का नाम लिंक या मिलान नहीं होता है, तो उसे नोटिस जारी कर पात्रता जांच की जाएगी। पात्र पाए जाने पर नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा, जबकि अपात्र नाम हटाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 3 नवंबर तक प्रशिक्षण एवं प्रपत्र मुद्रण का कार्य पूरा होगा। इसके बाद 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक प्रपत्र वितरण और संग्रहण चलेगा। ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन 9 दिसंबर को किया जाएगा, जबकि दावे और आपत्तियां 9 दिसंबर से 9 जनवरी तक ली जाएंगी। इसके बाद सुनवाई और सत्यापन कार्य 31 जनवरी तक चलेगा। अंतिम मतदाता सूची 7 फरवरी को प्रकाशित की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सभी राजनीतिक दलों के बीएलए इस प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और मतदाताओं को जागरूक करने में सहयोग देंगे। उन्होंने कहा कि यह पुनरीक्षण लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पवित्रता बनाए रखने की दिशा में एक अहम पहल है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे परिगणना प्रपत्र अवश्य भरें और मतदाता सूची में अपनी जानकारी की पुष्टि करें।

ओआरएस के नाम पर बिक रहे पेय पदार्थों पर प्रशासन की सख्ती, 417 पैक सीज

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट) के नाम पर बाज़ार में बेचे जा रहे पेय पदार्थों और पाउडर उत्पादों के माध्यम से उपभोक्ताओं को गुमराह किए जाने के मामले में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रक डॉ. टी. शुभमंगला, जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी, एडीएम ओमप्रकाश सहारण एवं सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत के निर्देशन में गुरुवार को बहरोड़ क्षेत्र में निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जय मंगल मेडिकोज से "रेडी टू सर्व फ्रूट बेवरेज ओरेलाईट" नामक उत्पाद के दो नमूने लिए गए, जबकि शेष बचे 417 पैक (200 एमएल के) को मौके पर ही सीज कर दिया गया। लिए गए नमूनों को जांच के लिए जयपुर स्थित प्रयोगशाला भेजा गया है। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद एफएसएसए एक्ट के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि ओआरएस के नाम पर बेचे जा रहे इन उत्पादों में पोषण संबंधी भ्रामक दावे किए जा रहे हैं, जिससे आमजन भ्रमित हो सकता है। ऐसे मामलों में सख्त निगरानी रखी जाएगी ताकि किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य हानि न हो निरीक्षण के दौरान सभी खाद्य कारोबारकर्ताओं और विक्रेताओं को निर्देश दिए गए कि वे अपने प्रतिष्ठानों पर खाद्य लाइसेंस एवं खाद्य पंजीयन प्रमाणपत्र अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करें। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि बिना वैध लाइसेंस व्यापार करने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी शशिकांत शर्मा और नेहा शर्मा मौजूद रहे।

नशामुक्त भारत अभियान की 5 वीं वर्षगांठ पर महाविद्यालय में हुए विविध कार्यक्रम

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

राजस्थान सरकार शिक्षा (ग्रुप-4) विभाग के आदेशों की पालना में गुरुवार को महाविद्यालय परिसर में नशामुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. गायत्री यादव ने की। इस अवसर पर डॉ. सुभाष चंद्र खटीक ने शपथ संबंधित क्यूआर कोड का प्रदर्शन कर संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलवाई। उन्होंने सभी से नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में नई किरण नशा मुक्ति केंद्र के संयोजक डॉ. रणसिंह यादव ने उपस्थित विद्यार्थियों को "नशामुक्त भारत अभियान" के उद्देश्य, शुभंकर और टैगलाइन "नशामुक्त भारत, खुशहाल भारत" के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान का लक्ष्य युवाओं में जागरूकता फैलाकर उन्हें नशे की लत से दूर रखना है। इस दौरान समिति सदस्य डॉ. जाकिर हुसैन, डॉ. हितेश शर्मा, प्रो. सरोज मीना, डॉ. अग्निदेव (संयोजक-तंबाकू निषेध समिति), अनिल कुमार यादव सहित अनेक संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी मौजूद रहे। सभी ने नशे के दुष्प्रभावों पर चर्चा करते हुए समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में कार्यवाहक प्राचार्य ने नशामुक्त भारत की दिशा में महाविद्यालय द्वारा निरंतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक संपन्न, मतदाता पुनरीक्षण में सहयोग का आह्वान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बानसूर

कस्बे के उपखंड कार्यालय में गुरुवार को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं एसडीएम अनुराग हरित की अध्यक्षता में विभिन्न राजनीतिक दलों के ब्लॉक व मंडल अध्यक्षों सहित पदाधिकारियों की बैठक संपन्न हुई। बैठक में विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के तहत राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं से चर्चा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। एसडीएम अनुराग हरित ने बताया कि मतदाता सूची को निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध रूप से तैयार करने के लिए सभी दलों का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बीएलओ अपने-अपने क्षेत्रों में घर-घर जाकर मतगणना प्रपत्र भरेंगे, जिनकी एक प्रति मतदाता को रसीद के रूप में दी जाएगी, जबकि दूसरी प्रति बीएलओ के अभिलेख में रहेगी। यह संपूर्ण प्रक्रिया ईसीआई नेट पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज की जाएगी। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 28 अक्टूबर से प्रारंभ हो चुका है और इसमें वर्ष 2002 की मतदाता सूची को आधार बनाया गया है। मतदाता स्वयं भी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन भर सकते हैं, जिसका सत्यापन संबंधित बीएलओ द्वारा किया जाएगा।

आजाद चौक में अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा स्थापना की मांग तेज

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले महान क्रांतिकारी पं. चन्द्रशेखर आजाद की आदमकद प्रतिमा को कोटपूतली के ऐतिहासिक आजाद चौक में लगाने की मांग फिर जोर पकड़ रही है। ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष नवरत्न शर्मा के नेतृत्व में नगर परिषद सभापति पुष्पा सैनी और जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी को ज्ञापन सौंपा। समाज ने कहा कि यदि अनुमति दी जाए तो वे अपने खर्चे पर प्रतिमा सहित चबूतरा बनवाने को तैयार हैं। सभापति पुष्पा सैनी ने शीघ्र कार्यवाही का आश्वासन दिया, जबकि कलक्टर ने स्थल निरीक्षण के बाद निर्णय का भरोसा दिलाया। ज्ञापन में वी.के. नवल, किशोरी लाल नेताजी, रमाकांत शर्मा, कैलाश शर्मा, मनोज भारद्वाज, सज्जन शर्मा, कौशल शर्मा सहित अन्य शामिल रहे। अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि वर्ष 1930 में पं. चन्द्रशेखर आजाद भेष बदलकर कोटपूतली आए थे और गंगा चौक में सभा को संबोधित किया था। ब्रिटिश पुलिस को खबर लगने पर वे चकमा देकर निकल गए, जिसके बाद यह स्थान "आजाद चौक" कहलाया। समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि पूर्व में विधायक हंसराज पटेल, पूर्व गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव, सांसद राव राजेन्द्र सिंह और मंत्री संजय शर्मा को भी ज्ञापन दिए गए हैं। वर्ष 2023 में चौक के चौड़ीकरण के दौरान मूर्ति लगाने की घोषणा हुई थी, पर अब तक कार्य नहीं हुआ। नागरिकों का कहना है कि आजाद चौक केवल ऐतिहासिक स्थल नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति की भावना का प्रतीक है। प्रशासन से अपेक्षा है कि शीघ्र प्रतिमा स्थापना कर इस चौक की ऐतिहासिक गरिमा को पुनः जीवंत किया जाए।

शिक्षा विभाग की ओर से अलेई ग्राम पंचायत में रात्रि चौपाल का आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा राजगढ़

अलेई ग्राम पंचायत में गुरुवार रात्रि को शिक्षा विभाग की ओर से रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी लीलावती मीना ने की। कार्यक्रम में ग्रामीणों और अभिभावकों को राज्य सरकार एवं शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं की जानकारी दी गई। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी लीलावती मीना ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से राजकीय विद्यालयों में अध्ययन के लिए भेजें, ताकि वे विभाग की सभी योजनाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रहा है, जिनका लाभ तभी संभव है जब बच्चे नियमित रूप से विद्यालय जाएं। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी प्रथम युवराज शर्मा और कमल कुमार मीना ने ग्रामीणों को निः शुल्क पाठ्यपुस्तक, गणवेश वितरण, मिड डे मील योजना, बालिकाओं के लिए लाडो प्रोत्साहन योजना, छात्रवृत्ति योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी। युवराज शर्मा ने बताया कि 31 अक्टूबर को विद्यालय स्तर पर शिक्षा विभाग द्वारा मेगा पीटीएम का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने अभिभावकों से इस बैठक में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की, ताकि बच्चों की शैक्षणिक प्रगति पर चर्चा की जा सके। पदेन पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी मुरारीलाल बैरवा ने विद्यालयों में संचालित गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया। चौपाल में रामफूल मीना, अशोक कुमार शर्मा, पवन कुमार शर्मा, बसना मीना, नीरज मीना सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और अभिभावक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन अशोक कुमार शर्मा ने किया।

चारागाह भूमि पर अवैध मिट्टी खनन पर कसा शिकंजा, दो ट्रैक्टर किए जब्त

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नीमराणा

उपखंड क्षेत्र के कायसा गांव में गुरुवार तड़के प्रशासन ने अवैध मिट्टी खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भूमाफिया पर शिकंजा कसा। लगभग 10 बीघा चारागाह भूमि पर चल रहे अवैध खनन को रोकने के लिए यह कार्रवाई मुख्य सचिव और जिला कलक्टर के निर्देशों पर सुबह पांच बजे की गई। एसडीएम महेंद्र सिंह यादव ने बताया कि सूचना मिलते ही प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची, जहां चारागाह भूमि पर बड़े पैमाने पर मिट्टी का अवैध खनन हो रहा था। प्रशासनिक दल को देखते ही कई ट्रैक्टर-ट्रॉलियां लेकर खननकर्ता मौके से भाग गए, जबकि दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां मौके पर ही जब्त कर ली गईं। जब्त वाहनों को थाना परिसर में खड़ा करवा दिया गया है और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। एसडीएम यादव ने बताया कि दोपहर करीब 2 बजे प्रशासनिक टीम दोबारा मौके पर पहुंची और अवैध खनन के रास्तों को बंद करवाने के लिए जेसीबी मशीन से खाई खुदवाई गई, ताकि भविष्य में इस क्षेत्र में मिट्टी खनन की गतिविधियां दोबारा शुरू न हो सकें। चारागाह भूमि की सुरक्षा और निगरानी के लिए चारागाह प्रबंधक समिति का गठन भी किया गया है, जो नियमित रूप से क्षेत्र की देखरेख करेगी और किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना प्रशासन को देगी। एसडीएम ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में यदि कोई व्यक्ति चारागाह भूमि पर खनन करते पाया गया, तो उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के दौरान तहसीलदार डॉ. विक्रम सिंह, विकास अधिकारी नरेंद्र शर्मा, डीएसपी सचिन शर्मा, थाना अधिकारी राजेश कुमार मीणा, कानूनगो दिलबाग, कायसा सरपंच भूप सिंह तथा हल्का पटवारी सहित प्रशासनिक दल मौजूद रहा।

चार साल में भी नहीं बन पाई स्टेट हाईवे की सड़क, गड्ढों से आमजन परेशान

अधिकारियों के आश्वासन तक सीमित रहा निर्माण कार्य, ठेकेदार को जारी हुए नोटिस

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

बहरोड़-नांगलचौधरी स्टेट हाईवे पर चार साल से अधूरी पड़ी सड़क अब स्थानीय लोगों और वाहन चालकों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन चुकी है। सड़क पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढों के चलते आए दिन लोग हादसों का शिकार हो रहे हैं। आमजन की शिकायतों और कई बार अधिकारियों को अवगत कराने के बावजूद अब तक सड़क निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका है। पीडब्ल्यूडी की ओर से इस सड़क का निर्माण कार्य करीब पांच वर्ष पूर्व शुरू किया गया था। शहर के पास मुंडियाखेड़ा गांव से लेकर नारनौल रोड तक बायपास सड़क का निर्माण तो कर दिया गया, लेकिन गर्ल्स स्कूल से बायपास मार्ग तक की करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी सड़क अब तक अधूरी ही पड़ी है। चार वर्षों से यह सड़क निर्माण विभाग की लापरवाही की प्रतीक बन चुकी है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि गर्ल्स स्कूल से तसींग रोड तक यह मार्ग स्टेट हाईवे का ही हिस्सा है, फिर भी इसे अधूरा छोड़ दिया गया। बारिश के दिनों में सड़क पर पानी भरने से गड्ढे और गहरे हो जाते हैं, जिससे दोपहिया चालकों और पैदल राहगीरों को काफी दिक्कत होती है। ग्रामीणों ने बताया कि वे कई बार पीडब्ल्यूडी कार्यालय जाकर शिकायतें कर चुके हैं, लेकिन हर बार केवल "जल्द काम शुरू होगा" का भरोसा ही मिला है। नगरपरिषद बहरोड़ के सहायक अभियंता राजेश कुमार ने बताया कि यह मार्ग पीडब्ल्यूडी के अधीन आता है और कई बार सड़क निर्माण के लिए अधिकारियों को कहा गया है ताकि आमजन को राहत मिल सके। वहीं, पीडब्ल्यूडी बहरोड़ के अधिशासी अभियंता सुबेसिंह सैनी ने कहा कि संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी किए गए हैं और जल्द ही अधूरा पड़ा सड़क निर्माण कार्य पूरा करवाया जाएगा। आमजन का कहना है कि चार साल से डेढ़ किलोमीटर सड़क का निर्माण न होना प्रशासन की लापरवाही को दर्शाता है। लोग उम्मीद कर रहे हैं कि अब विभाग जल्द कार्रवाई कर इस समस्या से उन्हें राहत दिलाएगा, ताकि आने-जाने में होने वाली परेशानी खत्म हो सके।

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 में जीत के इरादे से उतरेगी

मेलबर्न (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न क्रिकेट मैदान में होने वाले दूसरे टी20 में जीत के इरादे से उतरेगी। इस सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। पहले टी20 में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही थी और कप्तान सूर्यकुमार यादव व उपकप्तान शुभमन गिल ने अच्छी बल्लेबाजी की थी हालांकि आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 19 रन ही बना पाये थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में भारतीय टीम को अभिषेक से बड़ी पारी की उम्मीद होगी। भारतीय टीम की बल्लेबाजी अभिषेक और सूर्यकुमार के अलावा तिलक वर्मा पर भी निर्भर रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह के अलावा स्पिनर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती के पास रहेगी।

दूसरी ओर मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम को बल्लेबाजी में कप्तान मिचेल मार्श और टिम डेविड से उम्मीदें होंगी। गेंदबाजी जोश हेजलवुड पर आधारित रहेगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार रहेगी।

दोनो के बीच अब तक 33 टी20 मैच खेले गए हैं, जिसमें भारतीय टीम ने 20 मुकाबले जबकि 11 मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं। वहीं 2 मैचों का परिणाम नहीं निकला।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत - सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उप-कप्तान), तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया -मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, माहली बीअर्डमैन, बेन ड्वारशुइस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड ग्लेन मैक्सवेल तीसरे से पांचवें मैच तक, टिम डेविड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), मैथ्यू कुहनेमैन, मिचेल ओवेन, जोश फिलिप (विकेटकीपर), मैथ्यू शॉर्ट, जेवियर बार्टलेट, मार्कस स्टोइनिस, एडम जांपा और तनवीर सांघा।

आईपीएल 2026 से पहले केकेआर का बड़ा दांव! अभिषेक नायर बने मुख्य कोच, सौंपी कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल के 2026 संस्करण से पहले अभिषेक नायर को फ्रैंचाइज़ी का मुख्य कोच नियुक्त किया है। 2018 से फ्रैंचाइज़ी से जुड़े नायर को पहली बार मुख्य कोच की भूमिका में पदोन्नत किया गया है। उन्होंने अनुभवी घरेलू कोच चंद्रकांत पंडित की जगह ली है, जो तीन सीज़न तक फ्रैंचाइज़ी के प्रमुख रहे थे। मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व वाले भारतीय सहयोगी स्टाफ से निकाले जाने के बाद, नायर आईपीएल के 2025 संस्करण के बीच में फ्रैंचाइज़ी में लौट आए।

केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने एक फ्रैंचाइज़ी बयान में कहा, ‘अभिषेक 2018 से नाइट राइडर्स टीम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं और उन्होंने मैदान के अंदर और बाहर हमारे खिलाड़ियों को तराशने में अहम भूमिका निभाई है। खेल के प्रति उनकी समझ और खिलाड़ियों के साथ जुड़ाव हमारे विकास में महत्वपूर्ण रहा है। हम उन्हें मुख्य कोच के रूप में कार्यभार संभालते हुए और केकेआर को उसके अगले अध्याय में ले जाते हुए देखकर रोमांचित हैं।’ नायर, जिन्हें दिनेश कार्तिक और केएल राहुल जैसे खिलाड़ियों ने सफेद गेंद के खेल को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए खुले तौर पर स्वीकार किया है, को डब्ल्यूपीएल टीम यूपी वॉरियर्स ने भी मुख्य कोच नियुक्त किया था। नायर 2018 में केकेआर अकादमी में मुख्य कोच के रूप में शामिल हुए, और जल्द ही टीम के सहयोगी स्टाफ में शामिल हो गए। नायर उस समय टीम से जुड़े रहे हैं जब जैक्स कैलिस मुख्य कोच थे, जिनकी जगह बाद में ब्रेंडन मैकुलम और पंडित ने ले ली। नायर 2024 में पंडित और गंभीर के साथ सहायक कोच के रूप में फ्रैंचाइज़ी के साथ थे, जो केकेआर द्वारा अपना तीसरा आईपीएल खिताब जीतने के समय मेंटर थे, और श्रेयस अय्यर कप्तान थे। नायर ने 2022 में सीपीएल में नाइट राइडर्स की सैटेलाइट फ्रैंचाइज़ी, ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के मुख्य कोच के रूप में भी काम किया।

हॉकी चंडीगढ़ के शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि होंगे पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया : करन गिल्होत्रा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारत में हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हॉकी चंडीगढ़ द्वारा आगामी 7 नवंबर को भव्य भारतीय हॉकी शताब्दी समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक अवसर पर पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि होंगे। हॉकी चंडीगढ़ के अध्यक्ष करन गिल्होत्रा, उपाध्यक्ष अनिल वोहरा और एडवाइजर शालीन कपूर ने श्री कटारिया से मुलाकात कर उन्हें समारोह में आमंत्रित किया। राज्यपाल ने इस आयोजन के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि चंडीगढ़ इस अवसर पर हॉकी के इतिहास में एक नई पहचान बनाएगा।

करन गिल्होत्रा ने बताया कि समारोह के आयोजन में चंडीगढ़ प्रशासन, स्पोर्ट्स विभाग और नगर निगम चंडीगढ़ का भरपूर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा, ‘हॉकी भारत की गौरवशाली धरोहर है। 1925 में राष्ट्रीय हॉकी संस्था के गठन से शुरू हुई यह यात्रा आज 100 वर्ष पूरे कर रही है। यह हमारे लिए गर्व का क्षण है कि चंडीगढ़ इस ऐतिहासिक उत्सव का हिस्सा बनेगा। हमारा उद्देश्य नई पीढ़ी को हॉकी के स्वर्णिम इतिहास से जोड़ना है।’

अनिल वोहरा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे होगी, जिसमें तीन प्रदर्शनी मैच खेले जाएंगे, लड़कों के जूनियर और सीनियर वर्गों के मुकाबले तथा लड़कियों का एक विशेष मैच शामिल होगा। इस मौके पर देश-विदेश से हॉकी के कई दिग्गज खिलाड़ी शामिल होंगे, जिनमें ओलिंपियन दीपक ठाकुर, राजपाल सिंह, बलजीत सिंह, साथ ही भारत की मौजूदा टीम के कप्तान संजय, मनिंदर सिंह, विक्रमजीत सिंह, और जूनियर टीम के कप्तान रोहित प्रमुख हैं। करन गिल्होत्रा ने आगे बताया कि हॉकी इंडिया के नेतृत्व में देशभर में एक साथ ऐसे शताब्दी समारोह आयोजित किए जाएंगे, जिससे हॉकी को नया आयाम और नई पहचान मिलेगी।

रोहित-विराट के बाद युवा भारत की सबसे बड़ी चुनौती, टी 20 वर्ल्ड कप से पहले अहम इम्तिहान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज़ आज कैनबरा में शुरू होने जा रही है और इस बार पूरी निगाहें भारत की नई पीढ़ी यानी अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और वरुण चक्रवर्ती जैसे खिलाड़ियों पर टिकी हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद पहली बार ऐसा मौका है जब भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया की परिस्थितियों में अपने भविष्य की दिशा तय करने का मौका मिलेगा।

बता दें कि सुर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने पिछले एक साल में बेहद आक्रामक और निडर अंदाज़ में क्रिकेट खेला है और इसके बेहतरीन नतीजे भी हासिल किए हैं। टीम ने पिछले 27 टी20 मुकाबलों में से 23 में जीत दर्ज की है, जिसमें हाल ही का एशिया कप खिताब भी शामिल है। अगले टी20 वर्ल्ड कप से पहले भारत के पास कुल 15 मैच बाकी हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह सीरीज़ सबसे अहम मानी जा रही है।

गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया भी इस वक्त शानदार फॉर्म में है और पिछले 19 में से 16 मुकाबले जीत चुका है। ऐसे में यह मुकाबला दुनिया की दो नंबर 1 टीमों के बीच हाई-इंटेंसिटी बैटल माना जा रहा है। खास बात यह है कि भारतीय टीम के लगभग आधे खिलाड़ी पहली बार ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर खेलते नज़र आएंगे। यहां की तेज़, उछाल भरी पिचें और बड़े बाउंड्री एरिया बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकते हैं।

हालांकि मौजूद जानकारी के अनुसार ऑस्ट्रेलिया इस सीरीज़ में अपेक्षाकृत अनुभवहीन गेंदबाज़ी के साथ उतर सकता है, जिसका फायदा भारतीय बल्लेबाज़ उठाने की कोशिश करेंगे। लेकिन असली खतरा मेज़बान टीम की धमाकेदार बल्लेबाज़ी है, जिसमें मिशेल मार्श और ट्रैविस हेड जैसे विस्फोटक ओपनर शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार ऑस्ट्रेलिया इस साल पावरप्ले में औसतन 61 रन के स्कोर और 169 के रिकॉर्ड स्ट्राइक रेट से रन बना रहा है।

सूर्यकुमार यादव ने मैच से पहले संकेत दिए कि जसप्रीत बुमराह पावरप्ले में दो ओवर की जिम्मेदारी उठाने के लिए तैयार हैं। वहीं मिडल ओवर्स में टीम उम्मीद लगाए बैठी है कि कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती की स्पिन जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों की रफ्तार पर ब्रेक लगाएगी। हार्दिक पंड्या की गैरमौजूदगी में शिवम दुबे को अहम ऑलराउंडर की भूमिका निभानी होगी, जबकि नितीश कुमार रेड्डी बैकअप विकल्प के तौर पर शामिल किए गए हैं। पहले ही मैच से यह अंदाज़ा भी लग जाएगा कि भारत की जनरेशन एक्स टीम ऑस्ट्रेलिया की आक्रामक क्रिकेट संस्कृति को उसी अंदाज़ में जवाब देने के लिए कितनी तैयार है और क्या वे अपने पूर्वजों की विरासत को सफलतापूर्वक आगे ले जा पाएंगे या नहीं, यह देखने वाली बात होगी हैं।

जय शाह और आईओसी अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री ने ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी पर चर्चा की

नई दिल्ली । आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने इस सप्ताह की शुरुआत में स्विट्जरलैंड में आईओसी सत्र के दौरान आईओसी अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री से मुलाकात की और 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक की राह और ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी पर चर्चा की। उन्होंने अब तक हुई प्रगति और ओलंपिक आंदोलन के विकास में क्रिकेट की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार–विमर्श किया। जय शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, ‘2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक की राह और ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी पर हमारी चल रही चर्चा को जारी रखने के लिए आईओसी अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री से मिलकर खुशी हुई। हमने अब तक हुई प्रगति और ओलंपिक आंदोलन के विकास में क्रिकेट की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार–विमर्श किया।’

साउथ अफ्रीकी टीम विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में, इंग्लैंड को 125 रन से हराया, वोलवार्ट के 169 रन

गुवाहाटी । साउथ अफ्रीकी टीम पहली बार विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गई है । टीम ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 125 रन से हरा दिया । गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी । टीम ने कप्तान लौरा वोलवार्ट के 169 रन की बदौलत 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 319 रन बनाए । बुधवार को 320 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इंग्लिश टीम 42.3 ओवर में 194 रन बनाकर ऑलआउट हो गई । टीम से कप्तान नैट सिवर ब्रंट ने सबसे ज्यादा 64 रन बनाए । एलिस कैप्सी 50 रन बनाकर आउट हुईं । साउथ अफ्रीका से मारीजान कैप ने 5 विकेट चटकाए । वोलवार्ट प्लेयर ऑफ द मैच रहीं । इस जीत के साथ साउथ अफ्रीका ने इंग्लैंड से हिसाब बराबर भी कर लिया । टूर्नामेंट के पहले मैच में टीम इंग्लैंड के खिलाफ ही 69 रन पर सिमट गई थी । वहीं टीम को पिछले 2 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भी इंग्लैंड ने ही बाहर किया था ।

सिद्धू ने ऋषभ की जमकर प्रशंसा करते हुए उसे फीनिक्स पक्षी के समान बताया

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उसकी इच्छा शक्ति और जुनून गजब का है । ऋषभ अभी दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ बेंगलुरु में जारी चार दिवसीय मुकाबले में भारत ए की कप्तानी कर रहे हैं । सिद्धू ने कहा कि किसी ने कल्पना तक नहीं की थी कि इतने भीषण कार हादसे के बाद ऋषभ दोबारा चल पायेंगे पर वह आज खेल रहे हैं । उन्होंने इस विकेटकीपर बल्लेबाज की तुलना पक्षी फीनिक्स से की है !

ऋषभ इंग्लैंड दौरे में लगी चोट से उबरकर अभी भारत ए की कप्तानी कर रहे है । इंग्लैंड दौरे में ही मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की एक यॉर्कर पर लगने से उनके पैर की उंगली में फैक्चर हो गया था। इसी कारण वह एशिया कप, के अलावा वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी नहीं गये थे । सिद्धू ने कहा, ऋषभ फीनिक्स पक्षी के समान हैं जो राख से उठ खड़ा होता है । उनकी निडरता को देखिए, उनकी असाधारण उपलब्धियों को देखिए जिसे उन्होंने हासिल किया है। जिस तरह से उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में बल्लेबाजी की थी, जिस तरह उन्होंने इंग्लैंड में हमें मैच जितवाए, वो शानदार है। मैं अब तक जितने भी क्रिकेटर देखें हैं उनमें से वह सबसे अच्छे क्रिकेटरों में एक है । जब मैं उन्हें देखता हूं तो आनंद आता है । इस क्रिकेटरों ने सभी को सिखाया है कि जिंदगी में मुश्किलों से कैसे निकल सकते हैं । दक्षिण अफ्रीका ए के साथ मैच में भारत ए की कप्तानी करते हुए ऋषभ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है ।

इंग्लैंड के लिए आसान नहीं रहेगा ऑस्ट्रेलिया दौरा : स्मिथ

–हरी–भरी घास वाली पिचों पर होगी बल्लेबाजों की परीक्षा

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने इस साल के अंत में होने वाली एशेज सीरीज से पहले इंग्लैंड को चेताया है कि उसके लिए ये दौरा आसान नहीं होगा। स्मिथ को पैट कमिंस के फिट नहीं होने से पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट के लिए कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। उन्होंने कहा है कि इंग्लैंड के बल्लेबाजों के लिए ऑस्ट्रेलिया की उछाल भरी पिचों पर रन बनाना आसान नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि बेन स्टोक्स की टीम को बेजान पिचों की जगह हरी-भरी घास वाली पिचों पर खेलना होगा। स्मिथ ने कहा, ऑस्ट्रेलिया में हालात अलग होने वाले हैं? मुझे लगता है कि पिछले तीन-चार साल शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लिए उतने ही कठिन रहे हैं जितने हमने लंबे समय में देखे हैं। स्मिथ ने साथ ही कहा, इस प्रकार के हालात में गेंदबाजी करने वाले काफी अनुभवी हैं, इसलिए बल्लेबाजों के लिए समस्याएं बढ़ जाएंगी। यह सभी बल्लेबाजों के लिए मुश्किल होगा पर जब आप तेजी से रन बनाने की कोशिश करेंगे, तो यह बहुत ही कठिन रहेगा। पिछले चार सालों में ऑस्ट्रेलिया में तेज-गेंदबाजी पिचें बन रही हैं। साल 2021-22 एशेज की शुरुआत से ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैचों में शीर्ष सात बल्लेबाजों का औसत प्रति आउट 30.22 रहा है, जिसमें 20 टेस्ट में कुल 24 शतक शामिल हैं। वहीं इसके विपरीत 2022 में आक्रामक बल्लेबाजी शुरु होने के बाद बल्लेबाजों का औसत 38.94 रहा है। जबकि ऑस्ट्रेलिया में रन बनाने की कला में गिरावट आई है, हेड ने शानदार प्रदर्शन किया है, उन्होंने छह शतकों के साथ 54.64 का औसत और घरेलू हालातों में 88.90 का स्ट्राइक रेट हासिल किया है। ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड को रोकना इंग्लैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण के लिए काफी कठिन होगा। हेड की तरह इसी दौरान ऑस्ट्रेलिया में किसी भी अन्य खिलाड़ी का औसत 45.29 से अधिक नहीं रहा है।

जानिक सिनर ने जिजू बर्ग्स को हराया, पेरिस मास्टर्स के अगले दौर में पहुंचे

पेरिस । दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी जानिक सिनर ने बेल्जियम के जिजू बर्ग्स को हराकर पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बना ली हैं । इटली के दिग्गज सिनर ने बुधवार को पहले दौर के मुकाबले में बेल्जियम के जिजू बर्ग्स के खिलाफ 6–4, 6–2 से जीत दर्ज कर अपने अभियान की शुरुआत की । सिनर की जीत पुरुषों के विश्व के नंबर वन कार्लोस अल्काराज के ग्रेट ब्रिटेन के कैमरन नॉरी (नंबर 31) से चौंकाने वाली हार के एक दिन बाद हुई । उनकी हार ने इटैलियन खिलाड़ी के लिए नंबर वन पोजीशन फिर से हासिल करने का रास्ता खोल दिया है, अगर वह पेरिस में जीत पाते हैं । मैच के बाद सिनर ने कहा, ‘यह यहां एक बहुत ही अनोखा कोट है । आमतौर पर मुझे हमेशा थोड़ी मुश्किल होती है, इसलिए मैं पहला मैच जीतकर बहुत खुश हूं । आज मैंने जिस तरह से सर्व किया, उससे मैं बहुत खुश हूं । मैं बहुत सटीक था । मैंने सीधे ब्रेक के साथ शुरुआत की, जिससे मेरे आत्मविश्वास में वृद्धि हुई । मैं आज के प्रदर्शन से खुश हूं। देखते हैं कल क्या होता है ।’ टूर्नामेंट के अगले दौर में सिनर का मुकाबला गुरुवार को अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो से होगा ।

श्रेयस अय्यर अगले दो माह खेल से दूर रहेंगे, विश्वकप में भी शायद ही खेल पायें

मुम्बई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में एकदिवसीय सीरीज के दौरान पसलियों में चोट लगने के कारण गंभीर रुप से घायल हुए भारतीय टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की वापसी कब होगी। ये अभी तय नहीं है पर माना जा रहा है की वह दो महीने मैदान से दूर रहेंगे। श्रेयस ऐलेक्स कैरी का एक कैच पकड़ते हुए चोटिल हो गए थे। इसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया था जहां पसलियों में हुए आंतरिक रक्तस्राव के कारण उन्हें आईसीयू में रखा गया। अब उनका आंतरिक रक्तस्राव रुक गया है और वह पहले से बेहतर हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, श्रेयस अगले दो महीनों तक क्रिकेट से बाहर रहेंगे, जिससे अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली घरेलू सीरीज से भी वह बाहर हो गये हैं।

वहीं नये साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए भी उनका स्वदेश लौटना तय नहीं है। इससे साफ है कि वह फरवरी में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए भी शायद ही शामिल किये जाए क्योंकि प्रबंधन फरवरी में होने वाले आईसीसी टूर्नामेंट में उन्हीं खिलाड़ियों को उतारना चाहेगा जो घरेलू सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर पाये हों। ऐसे में वह जुलाई में इंग्लैंड के सीमित ओवरों के दौरे में उतरेंगे। ऐसे में अय्यर आईपीएल के दौरान ही क्रिकेट फील्ड पर वापसी कर पाएंगे।

ब्लैक आर्मबैंड पहनकर मैदान में उतरे भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी, 17 साल के क्रिकेटर को मौत के बाद दी श्रद्धांजलि

नवी मुंबई । भारत और ऑस्ट्रेलिया की खिलाड़ियों ने गुरुवार को महिला वर्ल्ड कप सेमीफाइनल के दौरान युवा क्रिकेटर बेन ऑस्टिन को श्रद्धांजलि देने के लिए ब्लैक आर्मबैंड पहने । ऑस्टिन की ट्रेनिंग के दौरान गेंद लगने से मौत हो गई थी । ऑस्टिन की उम्र 17 साल थी और मंगलवार को मेलबर्न के बाहरी इलाके में फन्ट्री गली क्रिकेट क्लब में बैटिंग करते समय गर्दन पर गेंद लग गई थी । वह अपने क्लब के लिए ट्रेनिंग करते समय हेलमेट पहने हुए थे, जिसमें नेक गार्ड नहीं था, और उन्हें साइड–आर्म से फेंकी गई गेंद लगी थी । ऑस्टिन टी20 मैच से पहले नेट्स में तेज गेंदबाजों के खिलाफ बैटिंग कर रहे थे, तभी अपने साथियों के सामने उन्हें यह जानलेवा चोट लगी । इस घटना के बाद ऑस्टिन को वेंटिलेटर पर रखा गया था, लेकिन चोट के कारण उनकी मौत हो गई, जिससे 2014 में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर फिल ह्यूज की दुखद मौत की यादें ताजा हो गईं । फन्ट्री गली ने गुरुवार को ऑस्टिन की मौत की पुष्टि की ।

भारतीय पहलवानों ने एशियन यूथ गेम्स 2025 में किया शानदार प्रदर्शन, जीते सात मेडल

मनामा (बहरीन) (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती दल ने एशियन यूथ गेम्स 2025 में मेडलों की झड़ी लगाकर अभियान का शानदार समापन किया, जिसमें मोनी और जयवीर सिंह ने मनामा के एग्जीबिशन वर्ल्ड बहरीन में गोल्ड मेडल जीते। लड़कों के 55 किलोग्राम फ्रीस्टाइल डिवीजन में मुकाबला कर रहे जयवीर सिंह ने कल टॉप पर पहुंचने के लिए शानदार प्रदर्शन किया। श्रीलंका के निमेश दुलंजना और कंबोडिया के फान चान ओउ डोम पर 10-0 की शानदार जीत दर्ज करने के बाद जयवीर ने एक कड़े क्वार्टर फाइनल में ईरान के यासीन ज़ारेज़ादेह को क्राइटेरिया के आधार पर हराया।

सेमीफाइनल में जयवीर सिंह ने कजाकिस्तान के इब्राहिम यस्ककबेक को 5-0 से हराया और गोल्ड मेडल मुकाबले में जापान के यामातो फुरुसावा के खिलाफ 6-2 की जीत के साथ अपना अभियान खत्म किया। मोनी ने भी लड़कियों की फ्रीस्टाइल 57 किलोग्राम कैटेगरी में उतना ही शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय पहलवान ने सेमीफाइनल में पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की जियाओहान जू को 8-0 से हराया और फाइनल में किर्गिस्तान की सेजिम कुर्मनबेकोवना ज़ोल्डोशबेकोवा को टेक्निकल सुपीरियरिटी के आधार पर 10-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता।

गौरव पुनिया ने लड़कों की 65 किलोग्राम कैटेगरी में प्रभावित किया लेकिन फाइनल में हार गए, उन्हें ईरान के मोर्तेजा हाजी मोल्लामोहम्मदी से 4-1 से हार मिली, जो अंडर-17 वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हैं। लड़कियों की 69 किलोग्राम कैटेगरी में अश्विनी विश्नोई, जो अपनी सामान्य 65 किलोग्राम डिवीजन से ऊपर मुकाबला कर रही थीं, फाइनल में चीन की झाओ मिन से 10-3 से हारने के बाद सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

कुश्ती में भारत के मेडलों का सिलसिला यहीं खत्म नहीं हुआ। अंडर-17 वर्ल्ड्स की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट कोमल वर्मा ने लड़कियों के 49 किलोग्राम इवेंट में पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की मो जियाओकिंग को 3-1 से हराकर एक और पोडियम फिनिश हासिल किया, जबकि रचना ने लड़कियों के 43 किलोग्राम वर्ग में किर्गिस्तान की आइजान किलिचबेकोवना काबिल्बेकोवा को 11-0 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता।

एशियन यूथ गेम्स में भारत का कुल मेडल टैली 33 हो गया है जिसमें 6 गोल्ड, 11 सिल्वर और 16 ब्रॉन्ज शामिल हैं। इस बीच भारतीय पहलवानों ने कल कुल 7 मेडल जीतकर अपना अभियान खत्म किया। मंगलवार को याशिता ने कुश्ती में लड़कियों के 61 किलोग्रामप वर्ग में गोल्ड मेडल जीता। वेटलिफ्टर प्रीतिस्मिता भोई और भारत की लड़कों और लड़कियों की कबड्डी टीमों ने भी गेम्स में पहले गोल्ड मेडल जीते हैं।

चूरू में अवैध पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा चूरू

चूरू में सदर पुलिस ने बुधवार देर रात एक युवक को अवैध देसी पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई चूरू-रामसरा रोड पर AGTF से मिली सूचना के आधार पर की गई।

पुलिस ने युवक के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे कोर्ट में पेश करेगी। सदर थाना के हेड कॉन्स्टेबल राकेश कुमार लंबोरिया ने बताया कि बुधवार रात AGTF से सूचना मिली थी कि चूरू-रामसरा रोड पर एक युवक अवैध हथियार के साथ खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर युवक को काबू किया और उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान युवक के पास से एक अवैध देसी पिस्टल बरामद हुई। पुलिस ने पिस्टल जब्त कर रतनगढ़ निवासी सोयल (24) गिरफ्तार कर लिया। हेड कॉन्स्टेबल राकेश कुमार ने बताया कि पुलिस आरोपी सोयल से हथियार के स्रोत और उसके उद्देश्य के संबंध में पूछताछ कर रही है। मामले की जांच सदर थाना के एएसआई गिरधारीलाल सैनी कर रहे हैं। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में हेड कॉन्स्टेबल राकेश कुमार लंबोरिया के साथ कॉन्स्टेबल नवीन कुमार सांगवान, सरजीत सिंह और धर्मेंद्र शामिल थे।

सादड़ी में करंट लगने से दो सगे भाइयों की मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बाली (पाली)

डेयरी पर बॉयलर मे दूध गर्म करने के दौरान छोटा भाई करंट की चपेट में आ गया। इसे देखकर बड़ा भाई बचाने पहुंचा तो वह करंट की चपेट में आ गया। हादसे में दोनों सगे भाइयों की मौत हो गई। मामला पाली जिले के सादड़ी थाना क्षेत्र का है। सादड़ी थाना एएसआई ईश्वर सिंह राणावत ने बताया-घटना दोपहर पौने 1 बजे की है। सादड़ी बस स्टैंड पर दूदापुरा (देसूरी, पाली) निवासी दो सगे भाई बाबूलाल चौधरी और मनीष चौधरी ने बाबू डेयरी के नाम से दुकान खोल रखी है। दोपहर साढे 12 बजे मनीष सप्लाई के बाद बचे दूध का दही जमाने के लिए उसे बॉयलर में गर्म कर रहा था। इस दौरान मनीष करंट की चपेट में आ गया। मनीष को देखकर जब बाबूलाल उसे बचाने पहुंचा तो वह भी करंट की चपेट में आ गया। पुलिस ने बताया-इस दौरान पड़ोस में स्थित इलेक्ट्रिकल की दुकान के मालिक हीरालाल ने बिजली के मुख्य स्विच को बंद कर दोनों को छुड़ाया और मौके पर मोतीलाल चौधरी की मदद से सादड़ी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उन्हें बचाने की कोशिश की। मगर 20 मिनट बाद ही दोनों ने दम तोड़ दिया। मोतीलाल ने बताया-14 अप्रैल 2025 में ही बाबूलाल चौधरी की शादी हुई थी। दो साल पहले दोनों भाइयों ने मिलकर डेयरी के काम शुरू किया था। बाबूलाल और मनीष के पिता तेजाराम खेती करते हैं। वहीं दोनों की इकलौती बहन की भी शादी अप्रैल 2025 में ही हुई थी। एएसआई ईश्वर सिंह ने बताया-दोनों के शवों को अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवा दिया है। परिजनों की ओर से रिपोर्ट मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

झंझुनूं पुलिस लाइन में कॉन्स्टेबल की मौतः बेहोशी की हालत में मिले थे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा झुंझुनूं

झुंझुनूं पुलिस लाइन में बुधवार रात एक कॉन्स्टेबल की मौत हो गई। देवीपुरा निवासी कॉन्स्टेबल गणेश (42) कुछ समय से पुलिस लाइन में ड्राइवर के पद पर तैनात थे। कोतवाली थाना अधिकारी हरजिंद्र सिंह ने बताया कि अभी मौत का कारण सामने नहीं आया है। लेकिन, गणेश के साथियों ने उन्हें कमरे में बेहोशी की हालत में देखा था। इसके बाद उन्हें बीडीके हॉस्पिटल ले जाया गया,जहां डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक कॉन्स्टेबल गणेश मीणा बुधवार देर शाम तक ड्यूटी पर थे। देर शाम साथियों के साथ सामान्य बातचीत भी कर रहे थे। इसके कुछ ही समय बाद उन्हें अचेत अवस्था में देखा गया। थाना अधिकारी ने बताया कि मौके पर न तो कोई सुसाइड नोट मिला है और न ही कोई संदिग्ध सामान मिला है। फोरेंसिक टीम ने भी कमरे की जांच की है। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस लाइन परिसर में सन्नाटा छा गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन भी हॉस्पिटल पहुंचे।

पेट्रोल पंप पर डीजल चोरी, सेल्समैन को धमकाने का मामला

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा फलोदी

फलोदी पुलिस ने पेट्रोल पंप पर डीजल भरवाकर पैसे न देने और सेल्समैन को धमकाने के मामले में तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। ये घटना इसी साल 28 जनवरी को हुई थी, जिसमें 3,050 रुपए का डीजल बिना भुगतान किए ले जाया गया था। पुलिस थाना फलोदी में 29 जनवरी को बापू नगर फलोदी निवासी मोहनलाल गोदारा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि फलोदी-जैसलमेर रोड पर कलरां की सरहद पर स्थित उनके लीला पेट्रोल पंप पर 28 जनवरी की शाम करीब सात बजे गणपत सिंह निवासी उग्रास और दो अन्य लोगों ने डीजल भरवाया था। जब सेल्समैन भागीरथ सिंह ने डीजल के पैसे मांगे तो आरोपियों ने उसे धमकाते हुए कहा कि वो किसी को भी डीजल के पैसे नहीं देते और अगर पैसे मांगे तो उसे जान से मार देंगे। इसके बाद वो गाड़ी लेकर फरार हो गए। इस मामले में पुलिस पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर चुकी है, जिन्हें जेल भेज दिया गया है। फरार चल रहे तीसरे आरोपी गणपत सिंह पुत्र गंगासिंह राजपूत, निवासी नालों की ढाणी उग्रास को अब गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी गणपत सिंह एक शातिर बदमाश है, जिसके खिलाफ विभिन्न पुलिस थानों में करीब 12 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपी से आगे की पूछताछ कर रही है।

हत्यारा बोला- "घिनौना पाप हो गया, परिवार बर्बाद हो गया": जैसलमेर में डबल मर्डर के 2 आरोपी गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जैसलमेर

"घिनौना पाप हो गया, परिवार बर्बाद हो गया" ये कहना है जैसलमेर के मोहनगढ़ में डबल मर्डर करने वाले मास्टर माइंड सुखविंदर सिंह का। सुखविंदर ने अपने साथियों के साथ मिलकर दीपावली की रात 20 अक्टूबर को मोहनगढ़ थाना इलाके में अनाज व्यापारी और उनके मुनीम की हत्या कर दी। इसके बाद व्यापारी की कार और पैसे लूटकर फरार हो गए थे। एसपी अभिषेक शिवहरे ने बताया कि पुलिस ने 1000 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तब जाकर आरोपियों को पंजाब में दबोचा। इस मामले में पुलिस ने हत्या के मुख्य आरोपी सुखविंदर और अनमोलप्रीत सिंह को पंजाब से बुधवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों से लूट की 9.20 लाख नकदी बरामद की है। जांच में चौंकाने वाले कई खुलासे हुए। घटना को अंजाम देने से पहले आरोपियों ने अपने परिवार को गांव से बाहर भेजा, मशीनें बेच डाली और 2 रिश्तेदारों के साथ मिलकर मोहनगढ़ पहुंचकर लूट-मर्डर की वारदात को अंजाम दिया। एसपी अभिषेक शिवहरे ने बताया- मोहनगढ़ में व्यापारी और मुनीम की हत्या के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल था। पुलिस की शुरुआती जांच में यह मामला लूट और हत्या का लगा।

1000 से ज्यादा सीसीटीवी खंगाले- पंजाब में दबोचा

एसपी ने बताया कि पुलिस ने 1000 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जांच में सामने आया कि 4 आरोपी पहले बीकानेर पहुंचे, जहां अपने मोबाइल फोन बंद कर छोड़ दिए। इसके बाद वे नई सिम कार्ड लेकर मोहनगढ़ पहुंचे और वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने तकनीकी जांच और फुटेज के आधार पर सुखविंदर और उसके एक साथी को पंजाब से गिरफ्तार किया है। चौथा आरोपी परम अब भी फरार है।

पुलिस ने खोला पूरा राज– "लूट के लिए की गई थी हत्या"

एसपी अभिषेक शिवहरे ने बताया- जांच के बाद पुलिस ने साफ किया कि यह पूरी वारदात लूट की नीयत से की गई हत्या थी। व्यापारी और मुनीम के पास उस दिन बड़ी रकम थी। आरोपी उसी जानकारी के आधार पर मौके पर पहुंचे और व्यापारी से अपने पैसों के लेनदेन की मांग की। जब व्यापारी ने मना किया, तो उन्होंने बेरहमी से दोनों की हत्या कर दी और रकम लेकर फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक, हत्या के तुरंत बाद आरोपी गांव लौटे ही नहीं। उन्होंने रास्ते में रकम छिपाई और अपने परिवार को संपर्क में नहीं आने दिया। इसी कारण शुरू में पुलिस को कई दिन तक उनके बारे में कोई सुराग नहीं मिला। जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी ने वारदात से पहले अपने परिवार को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया था ताकि पुलिस को यह लगे कि पूरा परिवार कहीं और चला गया है। लेकिन सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों ने उसकी यह चाल नाकाम कर दी।

कृषि आदान की गुणवत्ता पर सरकार सख्त, कई फर्मों पर गिरी गाज

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

प्रदेश के किसानों को उच्च गुणवत्ता युक्त कृषि आदान उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। रबी सीजन की बुवाई से पहले कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल के निर्देश पर पूरे प्रदेश में अमानक बीज, खाद और कीटनाशक बनाने वाली फर्मों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज व खाद उपलब्ध कराने के लिए जीरो टॉलरेंस नीति लागू की गई है। डॉ. किरोड़ी लाल ने बताया कि जून माह में श्रीगंगानगर में 12 कृषि फर्मों का निरीक्षण किया गया, जिनमें से 8 फर्मों से 40 बीज नमूने लिए गए। परीक्षण में 7 नमूने अमानक पाए गए, जिसके चलते करीब 199.75 क्विंटल बीज जब्त किया गया। इसके अलावा, मानक पाए गए 11 नमूनों के ग्रो आउट टेस्ट में 8 नमूने अमानक साबित हुए। इस पर कार्रवाई करते हुए मैसर्स ओरा हाईब्रिड सीड्स इंडिया प्रा. लि. और मैसर्स लक्ष्मी सीड्स श्रीगंगानगर का कुल 110.90 क्विंटल बीज राजसात कर राजकोष में जमा कराया गया। कृषि मंत्री ने बताया कि बीज उत्पादक फर्म मैसर्स अमूल सीड्स श्रीगंगानगर का लाइसेंस रद्द किया गया है। साथ ही रबी 2024-25 के लिए तीन फर्मों– अमूल सीड्स, श्रीराम सीड्स प्रा.लि. और संगम सीड्स–के रॉ बीज उत्पादन कार्यक्रम भी निरस्त कर दिए गए हैं। सितंबर में विभागीय टीम ने हनुमानगढ़ के सांगरिया क्षेत्र में मैसर्स स्टार एग्री के गोदाम पर कार्रवाई की, जहां राशि सीड्स प्रा.लि. के 8 हजार 569 क्विंटल गेहूं बीज के 60 नमूने जांच हेतु भेजे गए और विक्रय पर 30 दिन की रोक लगाई गई। इसी तरह 63.50 क्विंटल सरसों बीज के विक्रय पर भी रोक लगाई गई है। निरीक्षण के दौरान खरीफ 2025 के बीज उत्पादन कार्यक्रमों में अनियमितताएं मिलने पर कुल 281.3 हैक्टेयर क्षेत्र का बीज उत्पादन कार्यक्रम निरस्त किया गया है। इसमें ग्वार के 271.3 हैक्टेयर और मूंग के 10 हैक्टेयर शामिल हैं। बीज उत्पादक संस्थाओं में मैसर्स जयशंकर सीड्स, कृषक भारती कॉपरेटिव लिमिटेड, प्रियाली नैचुरल्स, गणपति सीड्स, भारत सीड्स, रामदेव सीड्स, श्रीराम सीड्स सॉल्यूशन, धारीवाल सीड्स और कृषि विकास सहकारी समिति लिमिटेड के कार्यक्रम रद्द किए गए हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं करेगी। अमानक कृषि सामग्री बेचने वालों पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि किसानों को सिर्फ उच्च गुणवत्ता वाले बीज और कृषि आदान ही मिल सकें।

बस में 'आग' से हड़कंप, देरी से पहुंची दमकल-एंबुलेंसः डीडवाना मॉक ड्रिल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा डीडवाना-कुचामन

डीडवाना में गुरुवार को लाडनूं रोड पुलिया के पास मेगा हाईवे पर एक बस में 'आग' लगने की मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस दौरान तीन 'यात्री' 'झुलस' गए, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया। हालांकि, सूचना के बावजूद दमकल और 108 एम्बुलेंस को पहुंचने में देरी हुई। एम्बुलेंस लगभग आधे घंटे बाद घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। कुछ देर बाद दमकल टीम ने 'आग' पर काबू पाया। इस दौरान जिला मुख्यालय से एडीएम मोहनलाल खटनावालिया, एएसपी हिमांशु शर्मा और वृत्ताधिकारी धरम पुनिया ने बचाव अभियान का नेतृत्व किया। यह घटना कोई वास्तविक हादसा नहीं थी, बल्कि जिला प्रशासन द्वारा आयोजित एक मॉक ड्रिल थी। जिला कलेक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत के निर्देश पर यह ड्रिल आपातकालीन परिस्थितियों में जिला प्रशासन, पुलिस, दमकल और स्वास्थ्य विभाग की प्रतिक्रिया और समन्वय क्षमता का आकलन करने के उद्देश्य से की गई थी। ड्रिल के दौरान, प्रशासनिक अधिकारियों ने राहत दलों की तत्परता, प्रतिक्रिया समय और बचाव व्यवस्था की दक्षता का मूल्यांकन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में नागरिक घटनास्थल पर जमा हो गए, जिससे कुछ समय के लिए भ्रम और हलचल का माहौल बन गया। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे मॉक ड्रिल नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। इनका उद्देश्य किसी वास्तविक आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों को त्वरित और प्रभावी ढंग से सुनिश्चित करना है।

2 डॉक्टरों पर रेप-जबरन धर्म परिवर्तन की एफआईआर आरोपियों में प्राइवेट हॉस्पिटल का मालिक भी शामिल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा उदयपुर

प्राइवेट हॉस्पिटल के मालिक सहित दो डॉक्टरों ने महिला के साथ रेप किया और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने बनाया। मुख्य आरोपी डॉक्टर जिस हॉस्पिटल में काम करता था, उसी में थर्ड फ्लोर पर रहता था। उसी के यहां यह महिला खाना बनाने आती थी। आरोप है यह भी है कि डॉक्टरों के पास महिला के पर्सनल फोटो-वीडियोज हैं, जिसे दिखाकर डराते-धमकाते हैं। महिला तलाकशुदा है। उसने दोनों डॉक्टरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। मामला सलूंबर जिले के सलूंबर थाना इलाके का है। पीड़ित महिला ने पुलिस को बताया- डॉ. आमिर मेटिन ने बुर्का पहनने और इस्लाम धर्म अपनाने का दबाव बनाया। जांच अधिकारी डीएसपी हेरंब जोशी ने बताया कि पीड़ित की ओर से 29 अक्टूबर को मामला दर्ज कर लिया गया है। पीड़ित ने बताया कि जब उसने इस बात की जानकारी हॉस्पिटल के मालिक को दी। आरोप है कि मालिक ने भी उसे धर्म परिवर्तन कर मुख्य आरोपी डॉ. आमिर से निकाह करने की सलाह दी। महिला ने इसका विरोध किया। इसके बाद दोनों आरोपियों ने उसे लगातार धमकाना शुरू कर दिया। महिला को जब हॉस्पिटल प्रबंधन की ओर से मदद नहीं मिली तब उसने थाने में रिपोर्ट दी। मामला दर्ज होने के बाद उसे लगातार धमकियां मिल रही हैं। महिला ने अपनी जान का खतरा बताते हुए पुलिस प्रशासन से सुरक्षा की मांग की है। महिला ने पुलिस रिपोर्ट में बताया कि वह नवंबर 2024 से प्राइवेट हॉस्पिटल में काम करने वाले डॉ. आमिर मेटिन के यहां खाना बनाने जाती थी। एक महीने पहले नौकरी छोड़ दी थी। डॉ. आमिर मेटिन उसे लगातार परेशान करता रहा है। महिला के मुताबिक, मेटिन के पास महिला के कुछ पर्सनल फोटो, वीडियोज थे। इन्हें दिखाकर वह महिला को धमकियां देता और डराता था। मेटिन ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। डर के मारे वह चुप रही। महिला ने बताया कि मेटिन बिहार का रहने वाला है। वह हड्डी रोग विशेषज्ञ है। महिला ने मई 2024 में पति से तलाक ले लिया था। उसके दो बच्चे हैं। बेटी 8 और बेटा 5 साल का है। मामले की जांच कर रहे डीएसपी हेरंब जोशी ने बताया- गुरुवार को महिला का मेडिकल कराया गया। उसके बयान भी लिए गए हैं। आरोपियों के भी बयान लिए जाएंगे। हॉस्पिटल के मालिक ने कहा- मैंने उस महिला को काम पर नहीं रखा था और मैं उसे जानता तक नहीं हूं। बाकी मैं किसी की पर्सनल जिंदगी में झांक नहीं सकता था। पुलिस के साथ मैं हर चीज में कोऑपरेट करूंगा। धर्मान्तरण और शोषण जैसी बातें झूठी हैं। डॉ. आमिर मेटिन को 5 दिन पहले रिलीव कर दिया गया है।

नागौर में तेज रफ्तार पिकअप ने बुजुर्ग को कुचला, बेकाबू होकर पलटी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नागौर

नागौर जिले के खींवसर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक 70 वर्षीय बाइक सवार बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। यह दुर्घटना बिरलोका-पिपलिया सड़क मार्ग पर पिपलिया चौराहे से करीब एक किलोमीटर आगे हुई। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान बिरलोका निवासी दुर्गाराम दमामी (उम्र लगभग 70 वर्ष) के रूप में हुई है। दुर्गाराम दमामी अपनी बाइक से पिपलिया की ओर से बिरलोका की ओर आ रहे थे। इसी दौरान, सामने से आ रही तेज रफ्तार पिकअप गाड़ी ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बुजुर्ग दुर्गाराम दमामी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद टक्कर मारने वाली पिकअप गाड़ी भी पलट गई। हालांकि, पिकअप ड्राइवर मौके का फायदा उठाकर दुर्घटनाग्रस्त वाहन को छोड़कर तुरंत फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना तुरंत खींवसर पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद खींवसर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को खींवसर के जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। पुलिस ने घटना की सूचना मृतक दुर्गाराम दमामी के परिजनों को दी। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में परिजन खींवसर जिला अस्पताल पहुंचे। पुलिस का कहना है कि परिजनों की रिपोर्ट के बाद शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर उन्हें सौंपा जाएगा।

चित्तौड़गढ़ में बेड़च नदी में मिला युवक का शव

रेलवे पुलिया के नीचे झाड़ियों में फंसा मिला, पहचान नहीं हुई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा चित्तौड़गढ़

चित्तौड़गढ़ शहर में गुरुवार दोपहर बेड़च नदी में रेलवे पुलिया के नीचे एक अज्ञात युवक का शव मिला। शव नदी के किनारे एक बबूल के पेड़ के नीचे झाड़ियों में फंसा हुआ था। स्थानीय लोगों ने जब शव देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने शव को बाहर निकाला और जिला हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया। पुलिस प्रारंभिक जांच में यह मान रही है कि युवक बहाव में बहकर यहां तक आया हो सकता है। पिछले दो दिनों से जिले में लगातार बारिश हो रही थी। इसके कारण घोसुंडा बांध के गेट खोलने पड़े, जिससे बेड़च नदी में पानी का बहाव तेज हो गया। पुलिस को आशंका है कि युवक धनेत पुलिया क्षेत्र से बहकर यहां पहुंचा होगा। अनुमान लगाया रहा है कि वह या तो पुलिया पार करने की कोशिश कर रहा था या फिर नहाने गया था, उसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह तेज बहाव में बह गया। पुलिस को युवक के शरीर पर कई चोट के निशान मिले हैं। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि बहाव के दौरान वह नदी की चट्टानों से टकराया होगा। शव पर कपड़े तो थे, लेकिन युवक ने पैंट नहीं पहनी हुई थी, जिससे पुलिस अब इस पहलू की भी जांच कर रही है। युवक के हाथ पर हिंदी में 'मा आ' और इंग्लिश में V.P. लिखा हुआ पाया गया है। पुलिस का मानना है कि यह टैटू उसके नाम या किसी परिजन से जुड़ा संकेत हो सकता है। इसी आधार पर अब उसकी पहचान पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

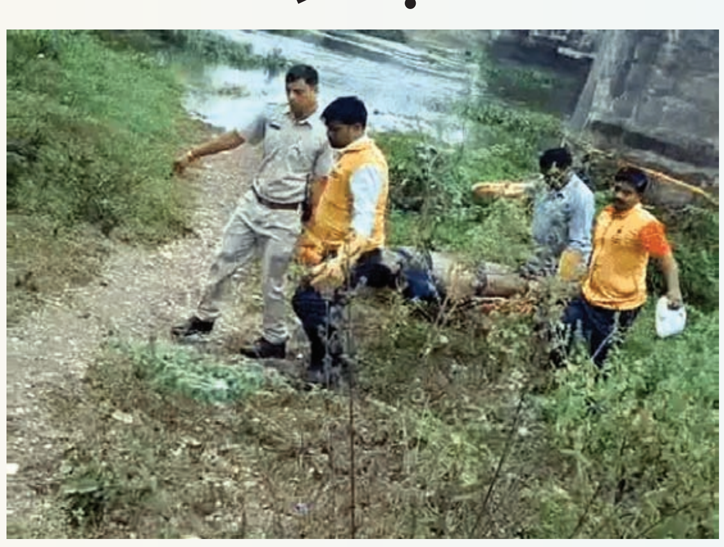

नदी किनारे लोगों से सावधानी बरतने की अपील की गई

घटना के बाद आसपास के इलाकों में चर्चा का माहौल है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से नदी में पानी का स्तर काफी बढ़ गया है और बहाव बहुत तेज है। ऐसे में कोई भी व्यक्ति पुलिया पार करने की कोशिश करे तो बड़ा हादसा हो सकता है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे बारिश के मौसम में पुलिया या नदी किनारे जाने से बचें और किसी अज्ञात व्यक्ति या लापता युवक की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

गुरुवायुर मंदिर में तय तिथि पर ही होगी 'उदयस्थमन पूजा', कोर्ट ने कहा- परंपरा से खिलवाड़ नहीं

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि केरल के प्रसिद्ध गुरुवायुर श्रीकृष्ण मंदिर में 'एकादशी' के अवसर पर की जाने वाली 'उदयस्थमन पूजा' परंपरा के अनुसार ही 1 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। अदालत ने स्पष्ट किया कि इस पूजा में किसी भी तरह का बदलाव या हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता। यह पूजा सूर्योदय से सूर्यास्त तक चलने वाली विशेष धार्मिक विधि है, जिसमें लगातार 18 पूजा, होम, अभिषेक और अन्य कर्मकांड संपन्न होते हैं। यह फैसला जस्टिस जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने सुनाया। उन्होंने कहा कि यह पूजा वर्ष 1972 से परंपरागत रूप से की जा रही है और इसमें किसी भी प्रकार का परिवर्तन अस्वीकार्य है। सुप्रीम कोर्ट ने सभी पक्षों को अपनी दलीलें पूरी करने का निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई मार्च 2026 के लिए तय की है।

देवस्वोम प्रशासन पर सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले वर्ष गुरुवायुर श्रीकृष्ण मंदिर के देवस्वोम प्रशासन की कड़ी आलोचना की थी। प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन का हवाला देते हुए इस पूजा को न करने का निर्णय लिया था। अदालत ने इस पर कड़ा एतराज जताते हुए कहा था कि सदियों पुरानी परंपरा को तोड़ना अनुचित है। न्यायालय ने मंदिर के मुख्य पुजारी से भी सवाल किया था कि उन्होंने कैसे इस बदलाव को स्वीकार किया, जबकि उन्होंने स्वयं 1996 के एक लेख में कहा था कि गुरुवायुर मंदिर की पूजा-पद्धति वेदांत दार्शनिक आदि शंकराचार्य द्वारा निर्धारित की गई थी और इसमें किसी भी प्रकार का विचलन अस्वीकार्य है।

परंपरा और धार्मिक महत्व

'उदयस्थमन पूजा' शब्द का अर्थ है सूर्योदय ('उदय') से लेकर सूर्यास्त ('अस्तमाना') तक निरंतर चलने वाली पूजा। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण के प्रति दिनभर भक्ति और यज्ञ-पूजा का विशेष आयोजन होता है। यह परंपरा भक्तों की आस्था से जुड़ी है और इसे सबसे पवित्र अवसरों में गिना जाता है। गुरुवायुर एकादशी को इस पूजा का धार्मिक और सांस्कृतिक दोनों रूप से अत्यधिक महत्व है।

याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का रुख

यह मामला पीसी हैरी और पुजारी अधिकार रखने वाले अन्य परिवारिक सदस्यों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान आया। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि एकादशी मंदिर का सबसे महत्वपूर्ण पर्व है और 'उदयस्थमन पूजा' 1972 से निरंतर की जा रही है। उनका दावा था कि यह परंपरा उससे भी पहले से चली आ रही है। उन्होंने कहा कि आदि शंकराचार्य ने इन अनुष्ठानों की व्यवस्था की थी और इनसे किसी भी प्रकार का विचलन 'दैवीय शक्ति' या 'चैतन्य' को प्रभावित कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस तर्क को मान्यता दी और साफ कहा कि परंपरागत पूजा पद्धति में बदलाव अस्वीकार्य है।

रूस से तेल खरीदने के बावजूद चीन पर 10' टैरिफ घटा, ट्रंप-जिनपिंग की बैठक में दुर्लभ खनिजों पर समझौता

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को एलान किया कि उनके और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच दुर्लभ खनिजों (रेयर अर्थ) को लेकर सहमति बन गई है। ट्रंप ने बताया कि चीन अगले एक साल तक अमेरिका को रेयर अर्थ सप्लाई करने के लिए तैयार हो गया है। ट्रंप ने यह भी बताया कि उन्होंने चीन पर फेन्टानिल (मादक पदार्थ) को लेकर लगाए गए टैरिफ को 10 फीसदी पर लाने का फैसला कर लिया है। इसी के साथ चीन पर अब अमेरिका का कुल टैरिफ 57 फीसदी से घटकर 47 प्रतिशत पर आ गया है। डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनपिंग गुरुवार को ही दक्षिण अफ्रीका के बुसान में मिले। इस दौरान दोनों ने कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और चीन के बीच सभी विवाद निपटा लिए गए हैं। इसी के साथ उन्होंने कहा कि चीन के साथ समझौता एक साल के लिए और बढ़ाया जा सकता है। यह पूरी दुनिया के लिए फायदेमंद होगा। ट्रंप ने कहा कि शी और उनके बीच रूस-यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने में सहयोग पर भी बात हुई है। उन्होंने कहा, "यूक्रेन का मुद्दा बैठक के दौरान मजबूती से उठा। हमने काफी लंबे समय तक बात की और दोनों साथ काम करेंगे और देखेंगे कि इस मुद्दे पर क्या-कुछ किया जा सकता है।" ट्रंप ने कहा कि वाशिंगटन और बीजिंग कई मुद्दों पर सहमत हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका तुरंत प्रभाव से फेंटेनिल की अमेरिका में तस्करी को लेकर लागू किए गए टैरिफ को हटा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन ने अमेरिका से बड़ी मात्रा में सोयाबीन खरीदने का वादा किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी बातचीत में ताइवान का मुद्दा नहीं उठा। गौरतलब है कि चीन हमेशा से ताइवान पर दावा करता रहा है, हालांकि अमेरिका चीन की मुख्य भूमि से दूर इस द्वीप की स्वायत्तता का समर्थन करता आया है। ऐसे में माना जा रहा था कि चीनी राष्ट्रपति ताइवान के मुद्दे को ट्रंप के सामने उठाएंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वे अप्रैल में चीन जाएंगे। उन्होंने बताया कि इसके बाद शी अमेरिका का दौरा करेंगे, जहां वे या तो वॉशिंगटन डीसी या फिर फ्लोरिडा के पाम बीच स्थित ट्रंप के आवास पर भी आ सकते हैं।

कर्नाटक का पैसा, वायनाड का प्रचार', केएसटीडीसी के विज्ञापन को लेकर सिद्धारमैया पर भाजपा हमलावर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बंगलूरू

कर्नाटक राज्य पर्यटन विकास निगम (केएसटीडीसी) की तरफ से पड़ोसी राज्य केरल के वायनाड को पर्यटन स्थल के रूप में प्रमोट करने पर सियासी विवाद खड़ा हो गया है। विपक्षी भाजपा ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर तीखा हमला बोला है और इसे 'हाईकमान की खुशामद' बताया है। दरअसल, केएसटीडीसी ने 28 अक्तूबर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर वायनाड का प्रचार करते हुए एक पोस्ट डाली थी। उसमें लिखा था- 'रोमांच या सुकून चाहिए? दोनों पाएंगे वायनाड में! झरनों का पीछा करें, जंगलों से मिलें, और प्रकृति की गोद में जाएं। केएसटीडीसी के साथ आपका परफेक्ट नेचर एस्केप तैयार है।' भाजपा नेताओं ने इस पोस्ट पर कड़ी आपत्ति जताई है क्योंकि वायनाड, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी का लोकसभा क्षेत्र है। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मुख्यमंत्री पर हमला बोलते हुए कहा, 'कर्नाटक कब तक ऐसे मुख्यमंत्री को बर्दाश्त करेगा जो वायनाड के जिला कलेक्टर की तरह काम करता है? आपने कर्नाटक के टैक्सपेयर्स के 10 करोड़ रुपये वायनाड भेज दिए, वहां के एक व्यक्ति की मौत पर 15 लाख रुपये दिए और भूस्खलन पीड़ितों के लिए 100 घर बनाने की घोषणा की। अब केएसटीडीसी के जरिये वायनाड टूरिज्म का प्रचार भी कर रहे हैं। क्या यह 'प्रियंका गांधी को खुश करना' नहीं है?' अशोक ने आगे कहा कि उत्तर कर्नाटक के कई जिले कलबुर्गी, रायचूर, यदगीर, बीदर, विजयपुरा, बागलकोट और बेलगावी बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हैं, लेकिन किसानों को अब तक मुआवजा नहीं मिला। उन्होंने लिखा, 'आप अपने राज्य के किसानों की मदद करने में सुस्त हैं, लेकिन दूसरे राज्य को पैसा देने में बिजली की तेजी दिखाते हैं।' उन्होंने सीएम सिद्धारमैया पर आरोप लगाया कि वे 'दिल्ली दरबार को खुश करने के लिए कर्नाटक का पैसा लुटा रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'कर्नाटक को ऐसे मुख्यमंत्री की जरूरत नहीं जो 'फेक गांधी परिवार' के आगे झुके। हमें कर्नाटक का नेता चाहिए, वायनाड का ब्रांड एंबेसडर नहीं।' भाजपा नेता और पूर्व मंत्री सीटी रवि ने भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने पूछा, 'केएसटीडीसी को कर्नाटक का पर्यटन बढ़ाना चाहिए, लेकिन यह तो लोगों को वायनाड घूमने बुला रहा है। क्या वायनाड कर्नाटक में है? या केएसटीडीसी अब केरल का हिस्सा बन गया है?' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार 'प्रियंका गांधी को खुश करने के लिए कन्नड़ नाडु की प्रतिष्ठा गिरा रही है। भाजपा ने मांग की है कि मुख्यमंत्री किसानों को तुरंत मुआवजा दें और 'राजनीतिक हित साधने के लिए' राज्य का पैसा दूसरे प्रदेशों में खर्च करना बंद करें।

युद्ध के बाद से इस्राइल ने वेस्ट बैंक में लगाए करीब 1000 बैरियर, फलस्तीनियों की आवाजाही प्रभावित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सिंजिल

हमास के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से इस्राइल ने वेस्ट बैंक के शहरों और कस्बों में करीब एक हजार अवरोधक (बैरियर) खड़े कर दिए हैं। इसने फलस्तीनियों की आवाजाही और रोजमर्रा की जिंदगी को और मुश्किल बना दिया है। स्थानीय सरकारी निकाय ने बताया। एक स्थानीय सरकारी निकाय ने यह जानकारी दी। इस्राइली सेना ने 1967 के पश्चिम एशिया युद्ध के बाद से वेस्ट बैंक में लोगों की आवाजाही और पहुंच पर नियंत्रण लगाया हुआ था। लेकिन स्थानीय लोगों ने बताया कि हाल में लगाए गए नए अवरोधकों की संख्या पहली बार इतनी ज्यादा है। फलस्तीनी सरकारी संस्था 'वॉल एंड सेटलमेंट रेसिस्टेंस कमीशन' के अनुसार, सात अक्तूबर 2023 को हमास के नेतृत्व वाले हमले के बाद से 916 गेट, बैरियर और दीवारें बनाई गई हैं। वेस्ट बैंक में इस्राइली सेना की छापेमारी बढ़ गई है, जिनमें कई फलस्तीनी मारे गए या गिरफ्तार किए गए। इस्राइल कहता है कि उसका मकसद चरमपंथ को खत्म करना है। नए बैरियर में धातु के गेट शामिल हैं, जो कई गांवों और शहरों के प्रवेश द्वाकर पर और शहरों के बीच लगाए गए हैं। ये गेट लोगों की आवाजाही को रोकते हैं। कभी-कभी इन गेटों पर इस्राइली सेना भी तैनात रहती है। फलस्तीनियों का कहना है कि ये गेट असमय खुलते और बंद होते हैं। कुछ गेट तो कई दिनों तक बंद रहते हैं। लोग कभी-कभी दोस्तों या रिश्तेदारों के घर सोने चले जाते हैं या पैदल गेट के चारों ओर घूमकर अपने गंतव्य तक पहुंचते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने बताया कि सितंबर के पहले दो हफ्तों में वेस्ट बैंक में 18 नए गेट लगाए गए। इसके अलावा बड़े मिट्टी के ढेर और कंक्रीट के बैरियर भी हैं, जो फलस्तीनियों की आवाजाही और स्वास्थ्य व शिक्षा तक पहुंच को रोकते हैं।

जयराम रमेश बोलेः मनुस्मृति से प्रेरित सरकार की श्रम-रोजगार नीति, यह संविधान का अपमान, बिहार सरकार पर कसा तंज

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने केंद्र सरकार की तरफ से जारी 'राष्ट्रीय श्रम एवं रोजगार नीति - श्रम शक्ति नीति 2025' के मसौदे पर कड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के इस नीति मसौदे में यह लिखा गया है कि श्रम नीति की प्रेरणा प्राचीन ग्रंथों जैसे मनुस्मृति, याज्ञवल्क्यस्मृति, नारदस्मृति, शुक्रनीति और अर्थशास्त्र से ली गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मनुस्मृति ने भारत में जाति व्यवस्था और जातिवाद को जन्म दिया, इसलिए इसे नीति की नींव बताना संविधान के खिलाफ है। जयराम रमेश ने कहा, 'मोदी सरकार का यह कहना कि श्रम शक्ति नीति संविधान से नहीं बल्कि मनुस्मृति जैसे ग्रंथों से प्रेरित है, यह हमारे संविधान का अपमान है और इसकी निंदा की जानी चाहिए।' जयराम रमेश ने कहा, 'यह नीति अभी मसौदे के रूप में है, और मोदी सरकार ने इसे अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक सुझाव के लिए डाला है। लेकिन इस मसौदे में साफ लिखा है कि यह नीति मनुस्मृति जैसे ग्रंथों से प्रेरणा लेती है। जब 1949 में हमारा संविधान लागू हुआ था, तब आरएसएस ने उस पर हमला किया था और कहा था कि यह 'भारतीय संविधान' नहीं है क्योंकि यह मनुस्मृति पर आधारित नहीं है। आज वही सोच फिर लौट आई है।' उन्होंने कहा कि मोदी और आरएसएस की सोच एक ही है, और श्रम नीति को मनुस्मृति से जोड़ना न केवल संविधान का अपमान है, बल्कि यह जातिवाद को बढ़ावा देने वाला कदम है। उन्होंने आगे कहा कि, 'मनुस्मृति ने जाति व्यवस्था को जन्म दिया, और अब उसी ग्रंथ से प्रेरणा लेकर श्रमिक नीति बनाना, यह हमारे संविधान और आंबेडकर की भावना के खिलाफ है।' श्रम शक्ति नीति 2025 के मसौदे में लिखा है, 'मनुस्मृति, याज्ञवल्क्यस्मृति, नारदस्मृति, शुक्रनीति और अर्थशास्त्र जैसे प्राचीन ग्रंथों में 'राजधर्म' की अवधारणा के माध्यम से न्याय, उचित मजदूरी और श्रमिकों की सुरक्षा की नैतिक नींव रखी गई थी। ये सिद्धांत भारत की सभ्यतागत परंपरा में श्रम शासन की नैतिक बुनियाद को दर्शाते हैं।' कांग्रेस नेता ने कहा कि केंद्र सरकार संविधान की अनदेखी लगातार कर रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, 'तीस साल पहले, 1994 में, कांग्रेस सरकार ने तमिलनाडु के 69' आरक्षण कानून को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल कर उसे सुरक्षा दी थी। लेकिन बिहार में ऐसा क्यों नहीं किया गया? वहां कहते हैं 'डबल इंजन सरकार', पर अब यह 'ट्रबल इंजन' बन चुकी है।

राजनीतिक ताकत के रूप में करें अपनी सामूहिक शक्ति का इस्तेमाल, महिलाओं से बोलीं प्रियंका गांधी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा वायनाड।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को कहा कि महिलाएं देश की आधी आबादी हैं और जब वे अपनी ताकत को सामूहिक रूप से राजनीतिक ताकत के रूप में इस्तेमाल करेंगी, तो वे देश की दिशा तय कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि अक्सर महिलाओं के प्रयासों को पहचान नहीं मिलती, चाहे उनका पारिवारिक या सामाजिक दर्जा कुछ भी हो। लेकिन जब भी परिवार या समाज किसी संकट से गुजरता है, तो महिलाएं ही सबसे पहले मजबूती से खड़ी होती हैं। प्रियंका गांधी वायनाड के पाडिनजराथारा पंचायत की ओर से आयोजित कुदुंबश्री सीडीएस वार्षिक समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा, जब आप सामूहिक रूप में अपनी ताकत को समझेंगी, तो आप इस देश को आकार दे सकती हैं। आप हमारे देश की 50 फीसदी आबादी हैं और आपको इस ताकत का इस्तेमाल राजनीतिक शक्ति के रूप में भी करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, मुझे उम्मीद है कि आप में से ज्यादा से ज्यादा महिलाएं राजनीति में आएंगी, नेतृत्व करेंगी और यह दिखाएंगी कि जब महिलाएं मजबूती से खड़ी होती हैं और अपनी अंदरूनी शक्ति को पहचानती हैं, तो वे कितना कुछ कर सकती हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि कुदुंबश्री कार्यक्रम गरीबी उन्मूलन और महिला सशक्तिकरण के लिए शुरू किया गया है, उससे जुड़ी महिलाओं ने न केवल अपने परिवारों का भरण-पोषण किया है बल्कि एक-दूसरे की मदद भी की है। कांग्रेस सांसद ने बताया कि कुदुंबश्री की महिलाओं ने अपनी बचत को दस गुना तक बढ़ाने में सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि उनके सामने बैठी कुदुंबश्री की महिलाएं पूरे देश के लिए महिलाओं की क्षमता और शक्ति का प्रतीक हैं। प्रियंका गांधी ने कहा, आप हमेशा सम्मान और गरिमा की पात्र रहेंगी, क्योंकि आप जैसी हैं वैसी ही हैं और अपने विश्वासों पर डटी रहती हैं। इस जश्न के दिन मैं आप सभी को बधाई देती हूं। आपको मेरी शुभकामनाएं और मेरा पूरा समर्थन हमेशा रहेगा।

मल्लिकार्जुन खरगे के गृह क्षेत्र गुरमितकल में आरएसएस के रूट मार्च को मिली अनुमति

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा यादगीर

कर्नाटक के यादगीर जिले के गुरमितकल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को पथ संचलन निकालने की अनुमति मिल गई है। यह इलाका कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का गृह क्षेत्र माना जाता है। प्रशासन ने बुधवार को आदेश जारी कर 1 नवंबर (शुक्रवार) को होने वाले इस मार्च के लिए मंजूरी दी। यह आयोजन आरएसएस की शताब्दी वर्षगांठ के मौके पर हो रहा है। यादगीर जिला प्रशासन ने पथ संचलन की मंजूरी देते समय 10 सख्त शर्तें लगाई हैं। आरएसएस स्वयंसेवकों को तय मार्ग से ही गुजरने की अनुमति होगी। ऐसा कोई नारा नहीं लगाया जाएगा जिससे किसी जाति या धर्म की भावना आहत हो। शांति और साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाली किसी भी गतिविधि पर पूरी तरह रोक रहेगी। जुलूस के दौरान सड़कें नहीं रोकी जाएंगी, दुकानें जबरन बंद नहीं करवाई जाएंगी। किसी भी स्वयंसेवक को घातक हथियार या डंडा (लाठी) लेकर चलने की अनुमति नहीं होगी। अगर कोई नियम तोड़ा गया, तो आयोजकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी और नुकसान की भरपाई भी उन्हें करनी होगी। आरएसएस के मार्च का जो रास्ता तय किया गया है, उसमें सम्राट सर्कल, एपीएमसी सर्कल, हनुमान मंदिर, मराठवाड़ी, पुलिस स्टेशन रोड, मिलन चौक और सिहिनेहरू बावी मार्केट मेन रोड से होते हुए राम नगर में इसका समापन होगा। पथ संचलन के दौरान पूरे मार्ग पर पुलिस बल तैनात रहेगा। पथ संचलन की अनुमति ऐसे समय पर दी गई है जब राज्य मंत्री प्रियांक खरगे, जो मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे हैं, ने हाल ही में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखकर सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में आरएसएस गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि, 'आरएसएस सरकारी स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर शाखाएं लगाकर बच्चों और युवाओं में नकारात्मक विचार भर रहा है।' उन्होंने यह भी कहा था कि सरकारी कर्मचारी अगर ऐसे आयोजनों में भाग लेते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर एमवीए का मंथन शुरू, उद्धव-राज ठाकरे समेत गठबंधन दलों के नेता शामिल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंबई

मुंबई के यशवंतराव बलवंतराव चव्हाण सेंटर में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की बैठक चल रही है। इस बैठक में शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे और एमवीए के अन्य नेता बैठक में मौजूद हैं। बता दें कि राज ठाकरे ने 2005 में शिवसेना से अलग होकर एमएनएस की स्थापना की थी। उन्होंने उद्धव ठाकरे को पार्टी से बाहर निकलने का जिम्मेदार ठहराया था। हालांकि, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में दोनों पार्टियों को भारी हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद दोनों नेताओं ने व्यक्तिगत कटुता को पीछे छोड़कर राजनीतिक समन्वय की संभावना तलाशना शुरू किया। पांच जुलाई को दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से रैली की थी, जिसमें भाजपा-नेतृत महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्राथमिक स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में लागू करने के फैसले का विरोध किया गया। आगामी स्थानीय निकाय चुनाव, जो 31 जनवरी 2026 से पहले होने हैं, से पहले शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस के बीच गठबंधन की संभावना बढ़ती दिख रही है। इधर, महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग ने साफ है कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों से संबंधित कानूनों या नियमों में वीवीपैट मशीनों के उपयोग का कोई प्रावधान नहीं है। बता दें कि विपक्षी दलों ने मांग की है कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में पारदर्शिता तय करने के लिए वीवीपैट का इस्तेमाल किया जाए। कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा था कि अगर वीवीपैट का इस्तेमाल संभव नहीं है

प्रदूषण ने तोड़ी सांसों की डोर

पीएम 2.5 के कारण 2022 में देश में 17 लाख से ज्यादा मौतें

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली-एनसीआर में व्यापक रूप से वायु प्रदूषण का असर देखा जा रहा है। विशेषकर दिवाली के बाद से दिल्ली की हवा लगातार प्रदूषित होती जा रही है। गुरुवार (30 अक्तूबर) को दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 पार हो गया है। हवा में बढ़ते सूक्ष्मकण (पीएम 2.5) को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को अलर्ट करते हैं। अध्ययनों में पीएम 2.5 के कारण होने वाले कई दीर्घकालिक दुष्प्रभावों को लेकर अलर्ट किया गया है। इससे हृदय रोगों से लेकर कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा हो सकता है। इसी से संबंधित एक हालिया अध्ययन की रिपोर्ट में शोधकर्ताओं ने पीएम 2.5 के कारण होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों को लेकर सावधान किया है। द लैंसेट जर्नल में प्रकाशित वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार, मानव-जनित पीएम 2.5 प्रदूषण के कारण साल 2022 में भारत में 17 लाख से अधिक लोगों की मौत हो गई। साल 2010 की तुलना में मौत के मामलों में 38 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। इतना ही नहीं जीवाश्म ईंधनों का उपयोग भी 44 प्रतिशत मौतों का कारण बना। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने तेजी से बढ़ते प्रदूषण और इसके कारण होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों को लेकर सभी लोगों को अलर्ट किया है। 'द लैंसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025 की रिपोर्ट' में कहा गया है कि वायु प्रदूषण के कई स्रोत हैं और इसका संपूर्ण स्वास्थ्य पर कई प्रकार से नकारात्मक असर देखा जा रहा है। उदाहरण के लिए सड़क परिवहन के लिए पेट्रोल के उपयोग से होने वाले प्रदूषण ने 2.69 लाख लोगों की जान ले ली। अनुमान यह भी बताते हैं कि भारत में वायु प्रदूषण के कारण 2022 में हुई समय से पहले मृत्यु के चलते 339.4 बिलियन अमरीकी डॉलर का वित्तीय नुकसान भी झेलना पड़ा जोकि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 9.5 प्रतिशत था। इससे स्पष्ट होता है कि वायु प्रदूषण स्वास्थ्य के साथ आर्थिक रूप से भी संकट बढ़ाता जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा